UPHIN/2011/39718

(डिजिटल संस्करण)

बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

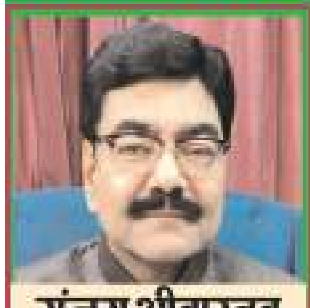

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

यंग भारत वेब न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-171 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) बुधवार 03 जून 2026 youngbharatE-paper.com

यूपी में बदल गया एक और शहर का नाम, फाजिलनगर बना पावागढ़, सीएम योगी ने खुद किया ऐलान

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के फाजिनगल इलाके का नाम बदल दिया गया है. इसका ऐलान खुद सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक कार्यक्रम में किया है. उन्होंने ऐलान करते हुए कहा कि अब फाजिलनगर का नाम पावागढ़ होगा

सीएम योगी ने कहा, 'आप की जो मांग होती है, फ़ाज़िल नगर के विधायक जी उसे पूरा करते हैं. सांसद जी के साथ उसे पूरा करते हैं और अब हमने इसके नामकरण का भी प्रस्ताव कर दिया है. अब यह फ़ाज़िल नगर नही होगा,बल्कि 'पावागढ़' के रूप में हम इसे मान्यता देने जा रहे हैं. भगवान महावीर के नाम से इसका नाम होगा. क्यों हम फ़ाज़िल कहेंगे. वहीं कार्यक्रम के दौरान रवि किशन पर चुटकी लेते हुए सीएम योगी ने कहा कि कुशीनगर के संसद विजय दूबे भी फिल्मों में काम करने लगे हैं. रवि किशन भोजपुरी के सुपर स्टार हैं. लेकिन फ्री में पिक्चर

नहीं दिखाते. वहीं जिले और सूबे में विकास कार्यों को लेकर सीएम योगी ने कहा कि आज अच्छी सड़कें बन रहीं हैं. एयरपोर्ट बन रहा है. मेडिकल कॉलेज बन रहे हैं. आज से 498 वर्ष पहले विदेशी आक्रांत ने भगवान राम के मंदिर को तोड़ा था. कई युग, कई पीढ़ियां बीत गईं. कई सरकार आई-गई. लेकिन जब भाजपा की सरकार आई तभी मंदिर बना. कांग्रेस चाहती तो बन सकती थी लेकिन नहीं बनने दिया. सपा तो घोषित रामद्रोही है इसलिए उसने नहीं बनने दिया. आज हमने राम मंदिर बना दिया. आज अयोध्या भव्य बन गई. आज अयोध्या त्रेतायुग का स्मरण करती है. भाजपा को जिताकर भेजा इसलिए आज यह कार्य सम्पन्न हो पाया. सीएम योगी ने कहा कि कुशीनगर जीवन की सच्चाई बताती है. भगवान बुद्ध ने महापरिनिर्वावण यहां आकर लिया था. भगवान महावीर ने कुशीनगर में अपना शरीर त्यागा था. पीएम मोदी के द्वारा रामलला को विराजमान किया तो सभी लोगों के आंखों में खुशी के आंसू थे. गन्ना किसानों को लेकर सीएम योगी ने कहा कि कुशीनगर में किसानों को गन्ने का दाम 400 रुपया कुंतल दे रहे हैं. अब दिमागी बुखार की बीमारी ऐसे ही खत्म हुई, जैसे यूपी से माफिया खत्म हुए. हमने मच्छर और माफिया दोनों को समाप्त किया. मच्छर बीमारी फैलाता था और माफिया बेरोजगारी फैलाता था. सीएम योगी ने कहा कि आज कुशीनगर में ज़ोरों से विकास चल रहा है. अब फाजिलनगर का नाम पावागढ़ होगा. अच्छे जनप्रतिनिधि माफिया और गुंडों को समाप्त करते हैं. हर चेहरे पर खुशहाली लाते हैं. हर बेटी सुरक्षित हो हर हाथ में काम हो ये हमारा प्रयास है. इसके अलावा सीएम योगी ने अपने संबोधन में कहा कि कोई सोचता था कि गरीब को फ्री में राशन मिलेगा. इस फाजिलनगर विधानसभा में मुझे कई बार आना पड़ा था,कसया विधानसभा में भी आता था,जब भूख से मुसहरों की मौत होती थी. भूख से मौत!

आज से 9 वर्ष के पहले यह सच्चाई कुशीनगर की थी. यह पिछली सरकारों के पाप के कृत्य थे,कि गरीब भूख से मर रहा है, नौजवान बेरोजगार घूम रहा है, किसान आत्महत्या करने को मजबूर था, आम जनता माफिया, अपराधियों से परेशान थी. यूपी के अंदर कोई सुविधा नहीं. यूपी के बाहर पहचान का संकट था. कोई पर्व त्योहार आया दंगे शुरू हो जाते थे. पडरौना में डोल मेला अवसर पर दंगे हुए, जो न्याय मांगने गए, उनको देवरिया जेल भेज दिया गया. मैं जाकर देवरिया जेल से छुड़ाकर लाया था.

32000 टन सोने पर है पीएम मोदी की निगाह! 1 फीसदी भी बाहर आ जाए तो खत्म हो जाएगा बोझ

(यंग भारत न्यूज)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों जनता से सालभर सोना नहीं खरीदने की अपील करके सभी को चौंका दिया था. सरकार का तर्क था कि सोने की बढ़ती खपत से देश का आयात बिल काफी बढ़ रहा है और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ रहा है.इस अपील का कितना असर हुआ या होगा, ये तो नहीं पता लेकिन सरकार ने सोने की वजह से आयात बिल पर पड़ने वाले बोझ को कम करने का दूसरा प्लान बना लिया है. सरकार की नगिाह देश के घरों और मंदिरों में जमा करीब 32 हजार टन सोने पर है. उसका मानना है कि इसमें से अगर 1 फीसदी सोना भी हर साल बाजार में आ जाए तो आयात बिल को एक तिहाई से भी ज्यादा कम किया जा सकता है.

भारत में सोने की खरीद निवेश कम और जरूरत ज्यादा लगती है. त्योहार हो या शादी अथवा अन्य कोई मौका, सोने के गहने खरीदना परंपरा से जुड़ा होता है. हालांकि, हर साल सोने की यह खरीद धीरे-धीरे उनके पास ऐसे गोल्ड का भंडार तैयार कर देती है, जिसका लंबे समय तक कोई इस्तेमाल नहीं होता है. पीएम मोदी ने भी अपनी अपील में इसी तरफ इशारा किया था कि लोग विदेश से नया सोना आयात करने के बजाय, घरों में कैद सोने को ही बाजार में लाएं और रीसाइकिल कराएं. गोल्ड इंडस्ट्री से जुड़े एक्सपर्ट का मानना है कि भारतीय घरों में करीब 30 से 32 हजार टन सोने का भंडार है, जिसकी कीमत 3.8 ट्रिलियन डॉलर के आसपास है. यह आंकड़ा कई देशों की जीडीपी से भी ज्यादा है. कुछ एक्सपर्ट का तो दावा है कि यह आंकड़ा 35,000 टन तक जा सकता है. इसमें से ज्यादातर सोने का भंडार बैंक लॉकर्स, अलमारियों और तिजोरियों में भरा हुआ है. अगर इसमें से छोटा सा हिस्सा भी इकनॉमी में वापस आ जाए तो इसका बड़ा असर पड़ेगा. सरकार की मंशा भी यही है कि इस सोने को वापस सिस्टम में लाया जाए. यह बात तो समझ में आती है कि सरकार की मंशा गोल्ड रीसाइकलिंग करने की है, लेकिन यह काम होगा कैसे और इसका फायदा क्या होगा. गोल्ड रीसाइकलिंग का मतलब है पुराने या टूटे गहनों, सिक्कों, बार, उद्योगों के स्क्रैप और इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट में इस्तेमाल किए गए सोने को वापस रिफाइन करके शुद्ध सोने में बदलना. सबसे पहले इन प्रोडक्ट की शुद्धता मापी जाती है और फिर उसे पिघलाकर रिफाइन किया जाता है. इस प्रक्रिया से उच्च मानक वाला 99.9 फीसदी शुद्धता का सोना प्राप्त होता है. फिर इस गोल्ड का इस्तेमाल ज्वैलरी बनाने, सिक्के व अन्य बुलियन प्रोडक्ट को तैयार करने में किया जाता है. देश में आयात बिल के आंकड़े देखें तो पता चलता है कि वित्तवर्ष 2025-26 में सोने की डिमांड पूरी करने के लिए 72.4 अरब डॉलर (6.87 लाख करोड़ रुपये) आयात पर खर्च करने पड़े. बाजार एक्सपर्ट का मानना है कि अगर देश में मौजूद सोने के भंडार में से 1 फीसदी भी बाजार में वापस लाया जा सके तो आयात को 30 फीसदी से ज्यादा कम किया जा सकता है. इस कदम से 300 टन सोने को हर साल वापस सिस्टम में लाया जा सकता है, जो आयात बिल का बोझ 2.29 लाख करोड़ रुपये तक कम कर सकता है.

सुर्खियां............

रात के अंधेरे में डिवाइडर से टकराकर नहर में गिरा युवक लापता

पुलिस और अन्य दल रात से ही लगे हैं उसकी खोज में

(यंग भारत न्यूज)

उरई। अपनी रिश्तेदारी में उरई आया जयहिंद नामक 25 वर्षीय युवक जब बीती रात डकोर की तरफ जा रहा था। तभी डिवाइडर से टकराकर वह नहर में जा गिरा और तभी से लापता हो गया। सुबह ग्रामीणों ने डिवाइडर के पास टूटी पड़ी उसकी बाइक देखकर घटना का अंदाजा लगाया। सुबह से ही पुलिस तैराकों के साथ युवक को ढूंढने में लगी है। मगर खबर लिखे जाने तक युवक की जिन्दा या मुर्दा बरामदगी नहीं हो सकी है।

तेज रफ्तार बेलेट की टक्कर से युवक गंभीर रूप से घायल

(यंग भारत न्यूज)

कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम सुनाया में तेज रफ्तार बुलेट की टक्कर से सड़क हादसा मे एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुए, गया ।जानकारी के अनुसार क्षेत्र के ग्राम सुनाया में मंगलवार को एक सड़क हादसा हो गया, जिसमें ग्राम भेंपता निवासी गंगाप्रसाद पाल गंभीर रूप से घायल हो गए।

ओलावृष्टि से बर्बाद हुए किसानो को मुआवजा वितरण में हुई अनियमितता

(यंग भारत न्यूज)

कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम जैतपुरा के अन्नदाताओ ने ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को अब तक मुआवजा राशि न मिलने और वितरण प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए मंगलवार को उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल को शिकायती पत्र सौंपा। किसानों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई तथा पात्र किसानों को शीघ्र राहत दिलाने की मांग की है।

'जो बोली से नहीं माना वो गोली से जरूर मान गया... पाकिस्थान की छाती पर दगने वाली मिसाइल हम लखनऊ में बनाते हैं', कुशीनगर में गरजे सीएम योगी

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर के दौरे पर है। इस दौरे पर उन्होंने विकास, विरासत एवं जन कल्याण के संकल्प को नई गति देने के लिए जिले में 424+ करोड़ की 278 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास किया।

कुशीनगर मे एक जनमसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने सूबे की पिछली सरकारों पर जमकर हमला बोला। इस दौरान उन्होंने कहा पहले की सरकारों के समय उत्तर प्रदेश कट्टा-बम बनाने वालों की पहचान से जुड़ा था, जबकि आज वही उत्तर प्रदेश देश की सुरक्षा के लिए ब्रह्मोस मिसाइल बना रहा है। इस दौरान पाकिस्तान पर भी उन्होंने निशाना साधा।

कुशीनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा ' पिछली सरकारें क्या करती थी, पिछली सरकारें निर्दोष लोगों, व्यापारियों को लूटने के लिए कट्टा-बम बनाती थीं। बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाती थी, हमने इस शोहदों को ठीक किया है और जो बोली से नहीं माना है तो गोली से जरूर मान गया है।' आगे उन्होंने कहा 'देश की रक्षा के लिए आज प्रदेश ब्रह्मोस मिसाइल बनाता है और यही ब्रह्मोस मिसाइल जब भारत का बहादुर जवान दुश्मन की छाती पर दागता है, तो पाकिस्तान चिल्ला उठता है कि बचाओ-बचाओ।' आगे उन्होंने कहा 'हम राष्ट्रीय कर्तव्य की जिम्मेदारी निभाने के लिए राजनीति में हैं। यह सेवा का एक माध्यम है, क्योंकि हम सुरक्षा और शासन प्रदान करते हैं। मैं सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम विकास में पीछे नहीं हैं। इस जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने आगे कहा 'यहां एन्सेफलाइटिस का उसी तरह अंत हो गया है जैसे यूपी में माफिया का। हमने मच्छरों के साथ-साथ माफिया का भी सफाया कर दिया। मच्छरों से बीमारियां फैलती थीं और माफिया से बेरोजगारी। हमने बीमारियों और माफिया दोनों की समस्या का समाधान कर दिया है।

प्रसूता महिलाओं को सिजेरियन डिलेवरी की आड़ में काल के गाल में पहुंचा रहा है यह आधा-अधूरा अस्पताल

पी एल कमला बना खूनी अस्पताल ? कितनी प्रसूताओं के खून माफ हैं बताएं सीएमओ और जिला प्रशासन

डिग्री और अनुभव के बिना डॉक्टरों द्वारा प्रबंधक के नेतृत्व में यहां किए जाते हैं गर्भवतियों के ऑपरेशन

- बिना डॉक्टर के कुछ माह पूर्व इस खूनी अस्पताल में नोसिखिया पन से चली गई थी पूर्व में भी एक महिला की जान
- शहर के बीचोबीच स्थित यह नर्सिंग होम पहले डॉक्टर चलाया करते थे बाद में डॉक्टर और लेडी डॉक्टर उरई छोड़कर चले गए और अपना पी एल कमला नर्सिंग होम अपने मैनेजर को किराए पर दे दिया

(प्रधान सम्पादक)

(यंग भारत न्यूज)

उरई। शहर के पी एल कमला अस्पताल में प्रसूता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन, चिकित्सकों और स्टाफ पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। घटना के बाद अस्पताल परिसर में काफी देर तक तनावपूर्ण माहौल बना रहा।

जानकारी के अनुसार प्रसव के लिए भर्ती कराई गई महिला की उपचार के दौरान हालत बिगड़ गई, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने समय रहते सही जानकारी नहीं दी और मामले को छिपाने का प्रयास किया। उनका कहना है कि महिला की मौत होने के बावजूद उसे गंभीर बताकर दूसरे अस्पताल रेफर करने

की तैयारी की जा रही थी। आरोप है कि मृतका को एंबुलेंस से अन्य अस्पताल भेजने का प्रयास किया गया, जिससे परिजनों को संदेह हुआ। इसके बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने अस्पताल परिसर में विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। बड़ी संख्या में लोग अस्पताल पहुंच गए और अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए दोषी चिकित्सकों व कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग करने लगे। हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों को समझाकर शांत कराया तथा मामले की निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया। उरई कोतवाली प्रभारी आनंद सिंह ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस टीम को तत्काल अस्पताल भेजा गया था। यदि परिजनों की ओर से लिखित शिकायत दी जाती है तो उसके आधार पर जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है और लोग मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

- कुछ माह पूर्व जब यहां बेमौत मरी थी एक प्रसूता तो दम से हुआ था बवाल जिससे घबराकर महीना लेंव के बाबजूद सीएमओ ने दोषी नर्सिंग होम को कर दिया था सील
- मगर लक्ष्मी की कृपा से जब डाक काफी बढ़ गई तो इस खूनी नर्सिंग होम की सील खोल दी गई
- बस इसी का परिणाम है कि आज फिर एक प्रसूता की भारी लापरवाही और तमाम गलतियों के चलते एक और प्रसूता की यहां से अर्थी उठ गई
- परिवार तथा शरीफ लोगो मे भारी आक्रोश है और वे डाक्टरी लाइन में भी दोषी नर्सिंग होम के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस कार्यवाही चाहते हैं
- बेहोशी वाला भी कोई प्रशिक्षित डॉक्टर नही है पीएलकमला के पास, अंधाधुंध होता है चीरा फाड़ी का काम

- बस फिर क्या था ऑपरेशन के नाम पर अधकचरा डॉक्टरों, कम्पोडरो यहां तक कि चिकित्सीय विद्या पूरी तरह अनभिज्ञ मैनेजरों ने भी यहां प्रसूताओं पर पैसे के लालच में दम से चाकू चलाए हैं
- मरना या जीना ऊपर वाले के हाथ छोड़कर कमाई की होड़ में दलालों को लगाकर यहां किए जाते हैं प्रसूताओं के ताबड़तोड़ ऑपरेशन

भूमाफिया चारो ओर कब्जा सरकारी गूलों और नरिया-नालों पर कब्जा कर दबंगई से कर रहे प्लाटिंग

-जल निकासी व्यवस्था ध्वस्त, किसानों की सिंचाई पर संकट, प्रशासन मौन

-क्षेत्र मे भू-माफियाओं के कई सिंडीकेट है सक्रिय

-औने पौने मे खरीद कर करोडो में बेचते है जमीन

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर और उसके आसपास के क्षेत्रों में सरकारी गूलों और नरिया-नालों पर भूमाफियाओं ने कब्जा कर लिया है। जल निकासी और सिंचाई के लिए बनी इन सरकारी गूलों और नरिया-नालों को पाटकर बड़े पैमाने पर प्लाटिंग का कारोबार किया जा रहा है ।मजे की बात तो यह है कि सब कुछ प्रशासन को चुनौती देते हुए खुलेआम हो रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग और प्रशासन अब तक मूकदर्शक बने हुए हैं ।आलम यह है कि बारिश के दिनों में जलभराव की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है और किसानों के सामने सिंचाई का संकट खड़ा होने लगा है।

कोंच क्षेत्र में इन दिनों कृषि भूमि को खरीदकर उसे आवासीय प्लाटों में तब्दील करने का कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है। इस कारोबार में कुछ भूमाफिया सरकारी गूलें, नरिया-नालों और जल निकासी के रास्तों को भी मिट्टी डालकर अपने प्लाटों में शामिल कर रहे हैं। इससे वर्षों पुरानी जल निकासी व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है ।अभी हाल ही में एक मामला कोंच-कैलिया मार्ग का सामने आया है। स्थानीय लोगों के अनुसार ताज गार्डन के सामने स्थित खेतों के आगे सड़क किनारे एक सरकारी नरिया निकली हुई थी, जिसके माध्यम से बरसात का पानी निकलता था और आसपास के किसान सिंचाई के लिए भी इसका उपयोग करते थे। आरोप है कि कुछ समय पहले भूमाफियाओं ने आसपास की भूमि औने पौने दामो में खरीदने के बाद उसमे प्लाटिंग शुरू की और इसी दौरान नरिया के किनारे खड़े हरे-भरे पेड़ों को कटवा दिया गया। इसके बाद नरिया को मिट्टी डालकर पाट दिया गया और उसे प्लाटिंग क्षेत्र में मिला लिया गया। लोगों का कहना है कि भूमाफियाओं ने केवल नरिया को ही नहीं मिटाया, बल्कि वहां बनी पुलिया को भी मिट्टी में दबा दिया ताकि भविष्य में उसकी पहचान का कोई प्रमाण न बच सके। इसका परिणाम यह हुआ कि बरसाती पानी की निकासी बंद हो गई और क्षेत्र में जलभराव की स्थिति बनने लगी है। किसानों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो आगामी बरसात में आसपास के खेतों और रिहायशी इलाकों में गंभीर जलभराव की समस्या उत्पन्न हो सकती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर के चारों ओर इसी तरह सरकारी गूलें और नरिया-नालों को खत्म कर प्लाटिंग की जा रही है। कई स्थानों पर जल निकासी के प्राकृतिक मार्गों को बंद कर दिया गया है, लेकिन जिम्मेदार विभागों की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही। इससे लोगों में प्रशासन की कार्यशैली को लेकर नाराजगी बढ़ रही है। किसानों का कहना है कि सरकारी नरिया-नालों और गूलों का अस्तित्व समाप्त होने से सिंचाई व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। जिन जलमार्गों से खेतों तक पानी पहुंचता था, वे धीरे-धीरे समाप्त किए जा रहे हैं ।स्थानीय लोगों ने जिम्मेदार अधिकारियों से मामले की जांच कराकर सरकारी भूमि पर किए गए अतिक्रमण को तत्काल हटाने, पाटी गई नरियों को पुनः खुदवाने तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की है ।उनका कहना है कि यदि अभी कार्रवाई नहीं हुई तो भूमाफियाओं के हौसले और बुलंद होंगे तथा सरकारी संपत्तियों का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा।

ओलावृष्टि से बर्बाद हुए किसानो को मुआवजा वितरण में हुई अनियमितता

किसानो ने लगाया आरोप, एसडीएम से की शिकायत

(यंग भारत न्यूज)

कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम जैतपुरा के अन्नदाताओ ने ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को अब तक मुआवजा राशि न मिलने और वितरण प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए मंगलवार को उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल को शिकायती पत्र सौंपा। किसानों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई तथा पात्र किसानों को शीघ्र राहत दिलाने की मांग की है ।ग्रामीणों द्वारा दिए गए शिकायती पत्र में बताया गया कि कुछ समय पूर्व हुई ओलावृष्टि से गांव के किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा था। शासन स्तर से प्रभावित किसानों को आर्थिक सहायता और मुआवजा देने की घोषणा की गई थी, लेकिन गांव के कई पात्र किसान आज भी सहायता राशि मिलने का इंतजार कर रहे हैं। किसानों का आरोप है कि नुकसान का सर्वे होने के बाबजूद उन्हें किसी प्रकार की आर्थिक मदद नहीं मिली।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि मुआवजा वितरण के दौरान अनियमितताएं बरती गई हैं। किसानों का कहना है कि कुछ लोगों को प्राथमिकता देते हुए उन्हें लाभ पहुंचाया गया, जबकि कई वास्तविक पीड़ित किसान अब भी राहत राशि से वंचित हैं। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ किसानों से कथित रूप से पांच-पांच हजार रुपये लेकर मुआवजा राशि दिलाई गई, जिसकी निष्पक्ष जांच कराकर दोषियो के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए ।किसानों ने कहा कि फसल बर्बाद होने के बाद आर्थिक संकट और गहरा गया है। समय पर मुआवजा न मिलने से खेती-किसानी के कार्य प्रभावित हो रहे हैं और परिवारों के सामने रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने प्रशासन से पूरे मामले की गहन जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने तथा सभी पात्र किसानों को उनका अधिकार दिलाने की मांग की है ।एसडीएम हेमंत पटेल ने किसानों की शिकायत प्राप्त कर मामले की जांच कर उचित कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया है।

मिशन शक्ति टीम ने बाजार से गुम हुए बच्चे को बरामद कर परिजनों को सौंपा

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। बाजार में सामान की खरीदारी करने आई महिला का बच्चा बाजार से गुम हो गया। महिला ने बच्चे के गुमशुदा होने की सूचना कोतवाली पुलिस को दी। मिशन शक्ति टीम ने बच्चे को बाजार में दूसरे स्थान से बरामद कर परिजनों को सौंपा है।

उरई कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गढ़र निवासी कुसुम देवी के भाई वीरपाल की शादी 18 जून को होनी थी। जिसके लिए सामान की खरीदारी करने के लिए कुसुम देवी अपने पिता होरीलाल व भाई सूरज के साथ नगर में स्थित बाजार में आई थी। बाजार में एक दुकान पर खरीदारी करते समय उनका चार बर्षीय बेटा नवल दुकान से बाहर निकल गया और लापता हो गया। महिला ने जब बच्चे को गायब देखा तो उसकी तलाश शुरू की। काफी देर तक तलाश करने के बाद भी बच्चे का कहीं पता नहीं चला। जिसके बाद उन्होंने बच्चे के गुमशुदा होने की सूचना कोतवाली में दी। सूचना मिलते ही मिशन शक्ति केंद्र प्रभारी संजय यति ने महिला एसआई मधु देवी, महिला कांस्टेबल प्रकांक्षा व अंजली पाल को बच्चे की तलाश का कार्य सौंपा। लगभग दो घंटे में टीम ने बच्चे को बाजार के दूसरे हिस्से से बरामद कर लिया। जिसके बाद पुलिस ने टीम ने परिजनों को बुलाकर बच्चा उनके सुपुर्द कर दिया। बच्चे को वापस पाकर महिला का चेहरा खिल उठा।

जिला मुख्यालय पर हुआ यूपी बोर्ड मेधावी छात्र सम्मान समारोह

-सविमं कोंच के छात्र को किया गया सम्मानित

(यंग भारत न्यूज)

कोंच यूपी बोर्ड मेधावी छात्र सम्मान समारोह जिला मुख्यालय उरई में आयोजित किया गया जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के जिले के टॉप टेन मेधावियों को प्रशस्ति पत्र और सम्मान राशि का चेक देकर सम्मानित किया। इनमें दसवीं कक्षा में जिला स्तर पर तीसरी रैंक हासिल करने वाले कोंच के देवराज सिंह को भी सम्मानित किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ घनश्याम अनुरागी, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, उरई सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय आदि ने 10 वीं कक्षा की यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 में जिले में तीसरी रैंक प्राप्त तथा कोंच में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज के छात्र देवराज सिंह पुत्र नीरज चंदेल को प्रमाण पत्र, मेडल और 21 हजार की सम्मान राशि का चेक देकर सम्मनित किया। देवराज सिंह ने 566/600 (94.33 प्रतिशत) अंक अर्जित किए हैं ।सम्मानित हुए छात्र को विद्यालय परिवार ने बधाई दी तथा उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की

कैलिया पुलिस ने वारंटी को दबोचा

कोंच पुलिस अधीक्षक विनय कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक ईशान सोनी के निर्देश पर वारंटी पकडो अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद के निर्देशन में सर्किल के कैलिया थानाध्यक्ष अवनीश कुमार पटेल ने उपनिरीक्षक रूपेंद्र पाल सिंह,सिपाही अजीत सिंह व सचिन परमार ने मंगलवार को ग्राम फुलैला स्थित एक घर पर दबिश देकर लंबे समय से वारंटी चल रहे अभियुक्त कृष्णकुमार पुत्र मातादीन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा उसे न्यायालय में पेश किया गया। गिरफ्तार कृष्णकुमार के विरुद्ध गत वर्ष 2023 में धारा 138 एनआई एक्ट में मामला दर्ज कराया गया था। दर्ज मामले में न्यायालय में होने वाली तारीखों से लगातार गैरहाजिर रहने के चलते न्यायालय द्वारा उसे वारंटी घोषित किया गया था।

शीर्षक: सड़क चौड़ीकरण अधूरा, सिर्फ गिट्टी डालकर छोड़ा काम, पब्लिक परेशान

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत रामपुरा से गोहन तथा ऊमरी से शेखपुरा अहीर तक चल रहा सड़क चौड़ीकरण कार्य इन दिनों ठप पड़ा है। आरोप है कि निर्माण एजेंसी द्वारा सड़क पर सिर्फ गिट्टी डालकर काम अधूरा छोड़ दिया गया है, जिससे राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

यह सड़क निर्माण कार्य मुख्यमंत्री योजना एवं क्षेत्रीय विधायक मूलचंद निरंजन के प्रयासों से स्वीकृत हुआ था। सड़क पर डाली गई गिट्टी के कारण चलना-फिरना मुश्किल हो गया है और वाहन चालकों को भी जोखिम उठाना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा दिक्कत स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं को हो रही है, जिन्हें रोजाना इसी खराब सड़क से गुजरना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद काम दोबारा शुरू नहीं हुआ है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि अधूरे पड़े इस निर्माण कार्य को जल्द पूरा कराया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके और सुरक्षित आवागमन संभव हो सके।

ग्रामीणों ने गांव में अवैध कब्जों को हटवाने की मांग मुख्यमंत्री से की

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । गांव में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों को लेकर ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर की है। ग्रामीणों ने गांव में अवैध कब्जों को हटवाने की मांग मुख्यमंत्री से की है। तहसील क्षेत्र के ग्राम छानी खास निवासी श्यामप्रकाश पाराशर, आनंद कुमार, उदय गुर्जर, अनुराग, पुष्पेंद्र, बादशाह, अवधेश गुर्जर, भरत पाराशर आदि ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शिकायती पत्र भेजकर लिखा कि उनके गांव में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे हो गए हैं। गांव के तालाब और परती भूमि पर लोगों ने अपने कच्चे पक्के निर्माण कर लिए हैं। जिससे ग्रामीणों को दिक्कत हो रही है। इस संबंध में स्थानीय स्तर पर शिकायत करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से मांग करते हुए कहा कि गांव में सरकारी भूमि पर हुए अवैध कब्जों की जांच कराई जाए और अवैध कब्जों को हटवाया जाए। इसके स्थान पर ग्रामीणों की सुविधा के लिए खेल का मैदान, वाचनालय, लाइब्रेरी, विवाहघर आदि का निर्माण करा दिया जाए तो लोगों को सुविधा होगी।

तेज रफ्तार बेलेट की टक्कर से युवक गंभीर रूप से घायल

(यंग भारत न्यूज)

कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम सुनाया में तेज रफ्तार बुलेट की टक्कर से सड़क हादसा मे एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुए, गया ।जानकारी के अनुसार क्षेत्र के ग्राम सुनाया में मंगलवार को एक सड़क हादसा हो गया, जिसमें ग्राम भेंपता निवासी गंगाप्रसाद पाल गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में उनके दोनों पैरों में गंभीर चोटें आई हैं ।बताया जा रहा है कि उनके दोनो पैरो फैक्चर हो सचते है ।डाक्टरी परीक्षण के बाद स्पष्ट हो सकेगा ।घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया ।प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगाप्रसाद पाल किसी कार्य से जा रहे थे, तभी तेज रफ्तार से आ रही बुलेट मोटरसाइकिल नम्बर यूपी 14 सीपी 5959 अनियंत्रित होकर उनसे टकरा गई। बताया जा रहा है कि बुलेट पर चौतरहाई निवासी शिवा यादव तथा बलदाऊ यादव सवार थे, जबकि बलदाऊ यादव मूल रूप से डिकौली गांव के निवासी बताए गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मोटरसाइकिल इतनी तेज रफ्तार से थी कि उसका चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और दुर्घटना हो गई ।हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और तत्काल पुलिस तथा आपातकालीन सेवाओं को सूचना दी गई। सूचना पाकर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। वहीं पहाड़गांव चौकी प्रभारी राजकुमार निगम ने तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर घायल को प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराई ।घायल की गंभीर स्थिति को देखते हुए चौकी प्रभारी ने बिना समय गंवाए उसे बेहतर उपचार के लिए झांसी रेफर करवाया। पुलिस ने दुर्घटना से संबंधित आवश्यक जानकारी जुटानी शुरू कर दी है और मामले की जांच की जा रही है। ग्रामीणों ने चौकी प्रभारी और डायल 112 टीम की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि समय रहते मिली सहायता से घायल को शीघ्र उपचार उपलब्ध हो सका। वहीं क्षेत्रवासियों ने तेज रफ्तार वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की अपील की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

महेशपुरा रोड पर गुल पाटने से घरों में घुसा पानी

(यंग भारत न्यूज)

कोंच महेशपुरा रोड पर भूमाफियाओं द्वारा सरकारी गूल को पाटे जाने का खामियाजा स्थानीय लोगों को भुगतना पड़ रहा है। जल निकासी का रास्ता बंद होने से बारिश का पानी सड़कों, खाली प्लाटों और आसपास के घरों तक पहुंचने लगा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि पहले बरसात का पानी गूल के माध्यम से आसानी से निकल जाता था, लेकिन प्लाटिंग के लिए उसे मिट्टी डालकर बंद कर दिया गया। इससे मामूली बारिश में भी जलभराव की स्थिति बनने लगी है। लोगों ने प्रशासन से पाटी गई गूल को तत्काल खुलवाकर जल निकासी व्यवस्था बहाल कराने की मांग की है। **क्या बोले एसडीएम साहब**-इस सम्बन्ध मे उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल से बात की तो उन्होने दो टूक शब्दो में कहा कि सरकारी गूल या जल निकासी मार्गों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बिना किसी पूर्व सूचना के भी सरकारी भूमि से कब्जा हटाया जाएगा, जल्द ही टीम गठित कर मामले की जांच कराई जाएगी। यदि नियमों के विरुद्ध प्लाटिंग किए जाने की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई अमल मे लाई जाएगी। **इन की भी सुन लो**-इस संबंध में पीडब्लूडी के सहायक अभियंता नंद किशोर ने कहा कि बिना एनओसी के कोई भी व्यक्ति विभागीय भूमि पर कब्जा नहीं कर सकता है। यदि पीडब्ल्यूडी की जमीन पर कब्जा किया जाता है तो उसे तत्काल हटवा दिया जाएगा चाहे वह चार मंजिला मकान क्यो न हो, इस मामले की जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। **सुनो वन विभाग की**-वन रेंजर रंजीत सिंह ने कहा कि मामले की जानकारी नहीं है यदि वन विभाग के पेड़ों की कटान की गई है तो जांच कराई जाएगी और दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

समस्याओं के निस्तारण हेतु लेखपालों ने डीएम को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट उरई को सौंपा

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। लेखपालों की समस्याओं और उनके निस्तारण को लेकर उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के तत्वावधान में लेखपालों ने डीएम को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट उरई को सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने दो दिनों में लेखपालों की समस्याओं के निस्तारण की मांग की है। अन्यथा की स्थिति में कलमबंद हड़ताल की भी बात कही।

उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के जिलाध्यक्ष अनूप तिवारी के नेतृत्व में पुष्पेंद्र सिंह, विश्वजीत, इंद्रजीत, भगवत प्रसाद, राजेश वर्मा, पुष्पेंद्र शमा, पूरन सिंह, भूपेंद्र निरंजन आदि लेखपालों ने डीएम राजेश पांडेय को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट उरई को सौंपकर बताया कि लेखपालों को क्षेत्र में कार्य करने के दौरान कई प्रकार की कठिनाइयां आ रही हैं। जिनमें प्रशासन आपके द्वार पहल के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र में अतिक्रमण हटवाने के दौरान कठिनाइयां आती हैं। जिसके लिए मजिस्ट्रेट स्तर के अधिकारी के आदेश की व्यवस्था कराने की मांग की जाए,, ताकि कार्य करने में आसानी हो। लेखपालों को दो या दो से अधिक हल्कों का चार्ज है। क्षेत्र अधिक होने के चनते शिकायतों के निस्तारण के लिए कम से कम 15 दिन का समय दिया जाए। लेखपालों द्वारा ग्रामीणों से संवाद के दौरान कई बार ग्रामीण अभद्रता करने लगते हैं, ऐसे में उनकी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और लेखपाल वर्ग के पांच लेखपालों को राजस्व निरीक्षक का कार्य लिया जा रहा है। उन्हें राजस्व निरीक्षक के कार्य से मुक्त कर लेखपाल वर्ग में ही कार्य करने देने की मांग भी की गई। लेखपालों को ससमय वेतन न मिलने का भी आरोप लगाया। साथ ही आरोप लगाया कि समस्याओं के संबंध में तहसील स्तर पर भी प्रयास किए गए और तहसीलदार महोदय को ज्ञापन भी दिया गया। लेकिन अब तक समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है। वहीं, एसडीएम से संवाद करने का प्रयास किया गया लेकिन एसडीएम द्वारा उनकी समस्याओं को नहीं सुना गया है। लेखपालों ने दो दिन में उनकी समस्याओं का निस्तारण करने की मांग की है अन्यथा की स्थिति में उन्होंने कलमबंद हड़ताल की भी बात कही। इस मौके पर तहसील जालौन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल राजपूत, सुधा अग्रवाल, नैंसी, रंजना सिंह, लक्ष्मी वर्मा, सुलेखा, भारती यादव, प्रीति वर्मा, मानसी गुप्ता, प्रिया अवस्थी, सिंकी भास्कर, स्वाति राय, राजमित्रा आदि रहे।

पाइप लाइन लीकेज होने से सड़क पर बह रहा पानी

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। अनस गेस्ट हाउस के सामने पानी की पाइप लाइन लीकेज होने से सड़क पर पानी बह रहा है। मोहल्ले के व्यक्ति ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर समस्या का समाधान कराने की मांग की है। नगर के मोहल्ला तोपखाना निवासी राजू ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर बताया कि छत्रसाल रोड पर अनस गेस्ट हाउस के सामने पानी की पाइप लाइन लीकेज है। लीकेज पाइप लाइन से पानी की सड़क पर बह रहा है। जिससे घरों में इस्तेमाल होने वाले नलों में भी दूषित पानी पहुंच रहा है। आरोप लगाया कि यह लाइन करीब एक सप्ताह से लीकेज पड़ी है। इसके बाद भी अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में पेयजल व्यवस्था को दुरूस्त करने के लिए लीकेज पाइप लाइन को दुरूस्त कराया जाए ताकि लोगों को दिक्कतों का सामना न करना पड़े।'

विश्व पर्यावरण दिवस पर जिलाधिकारी ने दिलाया स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु दिए निर्देश, 100 वर्ष से अधिक आयु के वृक्षों के चिन्हित कर संरक्षण के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। विश्व पर्यावरण दिवस-2026 मनाए जाने के सम्बंध में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार से वर्चुअल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई, जिसमें जनपद के समस्त खण्ड विकास अधिकारियों, सहायक विकास अधिकारियों (पंचायत), निवर्तमान प्रधानों, प्रशासकों, ग्राम पंचायत सचिवों तथा जनपद एवं विकासखण्ड स्तरीय अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। मा0 सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी अनुपालन पर विस्तृत चर्चा करते हुए पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं सतत विकास के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक एवं सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम पंचायत स्तर पर ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाए तथा कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण, स्रोत पर कूड़ा पृथक्करण, प्लास्टिक अपशिष्ट नियंत्रण एवं स्वच्छता गतिविधियों को जन आंदोलन का स्वरूप दिया जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण और स्वस्थ जीवन एक-दूसरे के पूरक हैं तथा पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए जनभागीदारी सबसे प्रभावी माध्यम है ।जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में ग्राम पंचायतों में व्यापक स्तर पर स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण कार्यक्रम, जल संरक्षण गतिविधियां, प्लास्टिक मुक्त ग्राम अभियान तथा सामुदायिक सहभागिता आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को जनजागरूकता से जोड़ते हुए प्रत्येक ग्राम पंचायत में लोगों को स्वच्छता एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति प्रेरित किया जाए। पर्यावरणीय स्वच्छता, जैव विविधता संरक्षण, जल संरक्षण, हरित आवरण विस्तार, प्लास्टिक प्रदूषण नियंत्रण एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के अक्षरशः पालन के संबंध में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संवेदनशील बनाया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में "स्वच्छ गांव-सुरक्षित जलवायु" अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से सफल बनाते हुए स्वच्छता, कचरा प्रबंधन और हरित विकास के लक्ष्यों को प्राप्त किया जाएगा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अभिनव पहल करते हुए प्रभागीय वनाधिकारी एवं जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद में 100 वर्ष अथवा उससे अधिक आयु वाले प्राचीन एवं विरासत स्वरूप वृक्षों का विशेष सर्वेक्षण कर उनका चिन्हांकन किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे शतायु वृक्ष हमारी सांस्कृतिक धरोहर, प्राकृतिक विरासत एवं पर्यावरणीय संतुलन के महत्वपूर्ण आधार हैं। इन वृक्षों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जाए ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इन प्राकृतिक धरोहरों से प्रेरणा प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि शतायु वृक्षों का संरक्षण जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने, जैव विविधता को सुरक्षित रखने तथा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ऐसे वृक्षों के आसपास स्वच्छता, सुरक्षा एवं हरित वातावरण बनाए रखने के लिए स्थानीय समुदायों एवं ग्राम पंचायतों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए ।जिलाधिकारी ने कहा कि यह पहल विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद से पर्यावरण संरक्षण का एक सकारात्मक एवं प्रेरणादायी संदेश देगी तथा जालौन को हरित एवं सतत विकास के मॉडल जनपद के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान करेगी ।जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, जल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली अपनाने तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का संकल्प दिलाया। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्धारित गतिविधियों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए उनकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए, ताकि पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य धरातल पर प्रभावी रूप से प्राप्त किए जा सकें।

सपनों को साकार करने के लिए खुश रहना जरूरी : एसडीएम (आई ए एस) रिंकू सिंह राही

सेठ वीरेंद्र कुमार विद्यालय के समर कैम्प का भव्य समापन, प्रतिभावान विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। बच्चों की रचनात्मकता, प्रतिभा और आत्मविश्वास को निखारने के उद्देश्य से सेठ वीरेंद्र कुमार विद्यालय में आयोजित समर कैम्प का समापन समारोह उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे उपजिलाधिकारी रिंकू सिंह राही ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि जीवन में सफलता केवल किताबों से नहीं, बल्कि सीखने की ललक, सकारात्मक सोच और खुशहाल व्यक्तित्व से भी मिलती है। उन्होंने बच्चों को अपने सपनों के प्रति समर्पित रहने और हर दिन कुछ नया सीखने की प्रेरणा दी ।समर कैम्प के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न रचनात्मक, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समापन समारोह में बच्चों ने मंच पर अपनी सीख और कला का जीवंत प्रदर्शन किया। रंगारंग प्रस्तुतियों ने उपस्थित अभिभावकों, शिक्षकों और अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों का आत्मविश्वास और उत्साह कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा ।विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. नितिन मित्तल ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य बच्चों के भीतर छिपी क्षमताओं को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ाने का अवसर देना है। समर कैम्प इसी सोच का हिस्सा है, जहां बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से व्यक्तित्व विकास का अवसर मिलता है ।अपने संबोधन में एसडीएम रिंकू सिंह राही ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में बच्चों को केवल अकादमिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल और आत्मविश्वास भी विकसित करना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को नई ऊर्जा और नई दिशा प्रदान करते हैं ।कार्यक्रम के दौरान विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वाले बच्चों के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दे रही थी। समारोह के अंत में विद्यालय परिवार ने अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। समर कैम्प का यह समापन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बच्चों के लिए नई प्रेरणा और नई संभावनाओं की शुरुआत बन गया।

डकोर विकास खंड के ग्राम करमेर निवासी ग्रामीणों ने सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

आंधी आने के कारण बंद विद्युत आपूर्ति में सुधार की मांग उठाई

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। डकोर विकास खंड के ग्राम करमेर के ग्रामीणों ने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपकर आंधी-तूफान के बाद से बाधित चल रही विद्युत आपूर्ति को शीघ्र बहाल कराने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि हाल ही में आई तेज आंधी के कारण क्षेत्र में बिजली व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई है, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने कहा कि बिजली न होने से पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है तथा दैनिक कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। रात के समय अंधेरे के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने संबंधित विभाग द्वारा क्षतिग्रस्त विद्युत लाइनों और उपकरणों की जल्द मरम्मत कर नियमित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने की मांग उठाई। सिटी मजिस्ट्रेट ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्या से संबंधित विभाग को अवगत कराते हुए आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी। ज्ञापन सौंपने वालों में भारत सिंह करमेर, कृष्णगोपाल, अरविंद राजपूत, राजेन्द्र सिंह, रामबाबू सहित आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

एएसपी ने जांची पुलिस बल की तैयारियां, अर्दली रूम में सुनीं कर्मचारियों की समस्याएं

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। अपर पुलिस अधीक्षक डॉ ईशान सोनी ने मंगलवार को पुलिस लाइन उरई में आयोजित साप्ताहिक मंगलवार परेड की सलामी लेकर पुलिसकर्मियों की अनुशासन, सजगता एवं कार्यकुशलता का निरीक्षण किया। परेड के दौरान पुलिस बल की टर्नआउट, ड्रिल एवं अनुशासन का अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।परेड के उपरांत अपर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न शाखाओं, कार्यालयों एवं बैरकों का जायजा लेकर वहां की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई, अभिलेखों के रखरखाव, शस्त्रों की सुरक्षा तथा पुलिसकर्मियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का भी अवलोकन किया गया ।अपर पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि पुलिस लाइन में अनुशासन, स्वच्छता एवं व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखा जाए। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों के रहने और कार्य करने के वातावरण को सुचारु बनाए रखना विभाग की प्राथमिकताओं में शामिल है ।इसके बाद उन्होंने पुलिस कर्मचारियों का अर्दली रूम किया और उनकी समस्याओं, सुझावों एवं विभागीय मामलों को सुना ।कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न प्रार्थना पत्रों एवं समस्याओं के संबंध में आवश्यक निर्देश देते हुए उनके समयबद्ध निस्तारण के आदेश दिए ।अपर पुलिस अधीक्षक ने पुलिसकर्मियों से कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया ।उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ आमजन के प्रति संवेदनशील व्यवहार भी पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी एवं पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

शादी समारोह में मची अफरा-तफरी, जमुना पैलेस में खड़ी स्प्लेंडर बाइक में लगी आग

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। शहर के प्रसिद्ध जमुना पैलेस में आयोजित एक शादी समारोह के दौरान उस समय हड़कंप मच गया, जब परिसर में खड़ी एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते बाइक से धुआं और लपटें उठने लगीं, जिससे समारोह में मौजूद लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया ।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने की सूचना मिलते ही मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, जिससे आसपास खड़े अन्य वाहनों और समारोह स्थल को किसी बड़े नुकसान से बचा लिया गया ।घटना के दौरान शादी समारोह कुछ समय के लिए प्रभावित रहा, वहीं आग लगने के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका। आशंका जताई जा रही है कि बाइक में शॉर्ट सर्किट या तकनीकी खराबी के चलते आग लगी हो सकती है ।गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि बाइक को काफी नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद लोगों में देर रात तक चर्चा का माहौल बना रहा ।समय रहते आग पर काबू पाने से टला बड़ा हादसा, नहीं हुई कोई जनहानि।

लेखपालों ने वेतन भुगतान, मानसिक शोषण व अन्य समस्याओं के निराकरण को लेकर जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जनपद के लेखपालों ने वेतन भुगतान में हो रही देरी, कार्यस्थल पर मानसिक शोषण तथा अन्य प्रशासनिक समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से लेखपालों ने अपनी विभिन्न समस्याओं से अवगत कराते हुए शीघ्र समाधान की मांग उठाई।

लेखपालों का कहना है कि समय से वेतन न मिलने के कारण उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा विभागीय कार्यों के दौरान अनावश्यक दबाव एवं मानसिक उत्पीड़न जैसी समस्याएं भी सामने आ रही हैं, जिससे कर्मचारियों के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ज्ञापन में लेखपालों ने वेतन का नियमित एवं समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित कराने, मानसिक शोषण की शिकायतों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने तथा विभागीय स्तर पर लंबित अन्य समस्याओं का समाधान कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन आगे की रणनीति बनाने को बाध्य होगा। जिलाधिकारी ने ज्ञापन प्राप्त कर संबंधित अधिकारियों को मामले का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान उ. प्र. लेखपाल संघ वैभव त्रिपाठी अध्यक्ष जालौन, अमित लेखपाल, लेखपाल अनिल कुमार, विवेक कुमार गुप्ता, महेंद्र कुमार, पुष्पेन्द्र कुमार, हरेन्द वर्मा मंत्री सहित दर्जनों की संख्या लेखपाल मौजूद रहे।

डीएम ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में दूर दराज से आये फरियादियों की समस्यायों को सुना गंभीरता से

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने आज कलेक्ट्रेट अपने कार्यालय कक्ष में जनसुनवाई कर दूर-दराज से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि आमजन की शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी तरीके से हो, ताकि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को शासन की योजनाओं और प्रशासनिक सेवाओं का लाभ समय से मिल सके।

जनसुनवाई के दौरान राजस्व, आवास, पेंशन, विद्युत, पेयजल, चिकित्सा सहायता, रोजगार तथा अन्य विभागों से संबंधित प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी ने प्रत्येक प्रकरण को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का निस्तारण मौके पर जाकर वास्तविक समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि गरीब, दिव्यांग, वृद्ध, महिला, किसान और जरूरतमंद व्यक्तियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाए ।जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक आवेदन की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और आवेदक को कार्रवाई की प्रगति से अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

बार्ड-6 शांतिनगर में लगे नलकूप की लाइन को देहात से हटाकर सिटी से जोड़ने की मांग, डीएम को सौंपा ज्ञापन

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। नगर पालिका क्षेत्र के बार्ड-6 शांतिनगर के निवासियों ने पेयजल समस्या को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र में लगे नलकूप की जलापूर्ति लाइन को देहात क्षेत्र से हटाकर सिटी लाइन से जोड़ने की मांग की है। मुहल्ला वासियों का कहना है कि वर्तमान में नलकूप की लाइन देहात क्षेत्र से जुड़ी होने के कारण आए दिन जलापूर्ति प्रभावित रहती है, जिससे लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ता है। गर्मी के मौसम में समस्या और अधिक गंभीर हो जाती है तथा लोगों को पानी के लिए भटकना पड़ता है। ज्ञापन में मांग की गई है कि बार्ड-6 शांतिनगर में स्थापित नलकूप की लाइन को नगर क्षेत्र की सिटी लाइन से जोड़ा जाए, जिससे नियमित एवं सुचारु जलापूर्ति सुनिश्चित हो सके। मुहल्ला वासियों ने कहा कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो उन्हें आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इस दौरान बार्ड-7 सभासद माता प्रसाद अहिरवार, रिंकू कुमार, गोविन्द, विनोद कुमार, रविकांत, विशाल, वीरवल सिंह, बृजमोहन, अशोक कुमार, चंद्रपाल, कमलेश कुमार सहित आदि क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने मामले की जांच कराकर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

भाकियू नेताओं ने तूफान व बारिश से हुए नुकसान की जांच की मांग उठाई

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपते हुए जनपद में विगत दिनों आए भीषण तूफान एवं बारिश से हुए नुकसान की जांच कराए जाने की मांग की। ज्ञापन के माध्यम से भाकियू नेताओं ने बताया कि हाल ही में आए तेज तूफान और भारी बारिश के कारण किसानों की फसलें, मकान, पशुशालाएं तथा अन्य संपत्तियां प्रभावित हुई हैं। कई स्थानों पर पेड़ गिरने, विद्युत पोल क्षतिग्रस्त होने तथा कृषि कार्यों को भारी नुकसान पहुंचने की शिकायतें सामने आई हैं। भाकियू पदाधिकारियों ने प्रशासन से मांग की कि प्रभावित क्षेत्रों का तत्काल सर्वे कराकर वास्तविक नुकसान का आकलन कराया जाए तथा पीड़ित किसानों और अन्य प्रभावित परिवारों को शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों को राहत प्रदान करना शासन और प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है ।सिटी मजिस्ट्रेट ने ज्ञापन प्राप्त कर मामले को संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में लाकर आवश्यक कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया। इस दौरान भाकियू के राष्ट्रीय महासचिव राजवीर सिंह जादौन, भाकियू जिलाध्यक्ष डा. द्विजेंद्र सिंह निरंजन, भारत सिंह करमेर, बृजेश राजपूत, डा. केदारनाथ, रामकुमार पटेल सहित दर्जनों किसान नेता मौजूद रहे।

गेस्ट हाउस के बाहर से बाइक चोरी

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। गेस्ट हाउस के बाहर से बाइक चोरी होने की सूचना पीड़ित वाहन स्वामी ने कोतवाली में तहरीर देकर की है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला चुर्खीबाल निवासी संकल्प सिंह ने पुलिस को बताया कि बीती पांच मई को वह चुर्खी रोड स्थित एक गेस्ट हाउस में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने के लिए गए थे। गेस्ट हाउस के बाहर बाइक खड़ी कर वह अंदर खाना खाने के लिए चले गए। कुछ समय बाद जब वह बाहर आए तो उनकी बाइक गायब थी। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कहीं पता नहीं चला। पीड़ित वाहन स्वामी की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात बाइक चोर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ये मेरे मौला ये मेरे अल्लाह...

-बेरी वाले बाबा के उर्स के पहले दिन कव्वालो ने बाधा समां

(यंग भारत न्यूज)

उरई : सूफियाना लहजे के विश्व प्रसिद्ध कव्वाल अजीम नाजा मुंबई और फैजान अजमेरी ने हजरत बेरी वाले बाबा के 86 वें उर्स की पहली बज्म कव्वाली में खुलकर दिल की बात शेरों के माध्यम से कही। श्रोताओं की समझ पर फिदा उक्त कव्वाल ने फनकारी के लगभग सभी रंग पेश किए।

दो दिवसीय उर्स के पहले दिन की शुरुआत कलामे रब्बानी से मौलाना इमरान ने की। जिसके बाद महफ़िले शमा का दौर शुरु हुआ। कव्वाल फैजान अजमेरी ने बज्म मे हम्द पेश करते हुए पढ़ा, ये मेरे मौला, ये मेरे अल्लाह, मुस्तफा के चाहने वालों को जन्नत चाहिए, वो करें दौलत की ख्वाहिश, जिसको दौलत चाहिए। उन्होंने सूफी शायरो के ऐसे ऐसे शेर पढ़े कि लोग चौंक उठे। उन्होंने कहा 'ये मुझसे क्या पूछते हो कहां-कहां है रसूल, जहां-जहां है खुदाई वहां-वहां है रसूल' और 'वहां जिस्म नहीं और यहां साया नहीं है, दुनियां में कोई ऐसा नबी आया नहीं है'। दूसरे कव्वाल अजीम नाजा मुंबई ने पढ़ा, दीदार मुझे भी हो उस आर्श के जीने का, अल्लाह सफर लिख दे, किस्मत में मदीने का। इसके बाद जबाबी मुकाबले में कव्वाल अजीम नाजा ने कौमी एकता पर तंज कसते हुये पढ़ा, जान से ज्यादा, हमे अपना तिरंगा प्यारा है, ये हिंदुस्तान हमारा है, हिंदू मुस्लिम का, यह देखो साथ कितना प्यारा है, ये हिंदुस्तान हमारा है। इसके बाद फैजान अजमेरी ने भी अजीम नाजा पर जबाबी बार करते हुए कोमी एकता पर पढ़ा, हम कम नही किसी से जहाँ को बता दिया। ये कहके दुश्मनो को, यहां से भगा दिया, ये मेरा हिंदुस्तान है, ये मेरा हिंदुस्तान है। हालांकि दोनों ही पार्टियों को लगभग आधा-आधा समय मिला परंतु इसे अजमेरी बंधु ही सार्थक करते दिखे। संचालक जमाल अहमद पप्पू थापा ने लफ्जों को तौल-तौल कर बोला और उनका यह अंदाज़ बड़ा प्रभावी रहा। प्रोग्राम में कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, पूर्व चेयरमैन विजय चौधरी, महेश शिरोमणि, हाफिज आशु, फ़जील खान भी अतिथि के रूप मे शामिल हुए। उर्स कमेटी के चीफ कंट्रोलर हाफिज अब्दुल जब्बार, प्रभारी अध्यक्ष कोस्तुब चतुर्वेदी ने सभी अतिथियों को सर पर साफा बांधकर स्वागत किया। फिरोज खान, भिक्के खां, रिजवान खान, जुबैर खान, छोटू शाह आदि ने व्यवस्था संभाली। इस मौके पर नजम हाशमी, पप्पू पठान, अकील खान, इबादत अली, रईस खान, शोएब मिर्जा आदि लोग मौजूद रहे।

कोतवाली पुलिस ने संभाली सुरक्षा की कमान

उरई। हजरत बेरी वाले बाबा के 86 वें उर्स पर अकीदतमंदो की भारी भीड़ जुटीं रही। सुरक्षा के लिए कोतवाली पुलिस जगह जगह तैनात रही। जिसके चलते पहले दिन बाबा के उर्स का प्रोग्राम शांतिपूर्ण संपन्न किया गया।

घुंघरू की आवाज पर जमकर बरसे नोट

उरई। हजरत गाजी मंसूर अली शाह उर्फ बेरी वाले बाबा के उर्स मुबारक के पहले दिन कव्वाल फैजान अजमेरी के द्वारा जैसे ही घुंघरू की आवाज पेश की गई। तो मंच पर मौजूद अतिथि व सैकड़ों अकीदतमंदो ने फनकार फैजान अजमेरी पर नोटों की बारिश कर हौसला अफजाई की।

लंगर में उमड़ा जनसैलाब

उरई। हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतीक हजरत बेरी वाले बाबा के उर्स मुबारक के पहले दिन कमेटियो के द्वारा कराए गए लंगर में जमकर जनसैलाब उमड़ पढ़ा। लोगों ने भी कमेटियों द्वारा संचालित किए गए लंगर का लम्बा इंतजार कर खूब लंगर को छका।

ग्रामीणो ने लगाया ग्राम सभा की भूमि पर बने कुएं पर कब्जा करने का आरोप

-एसडीएम से की शिकायत

(यंग भारत न्यूज)

कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम हिंगुटा के ग्रामीणों ने गांव की सार्वजनिक भूमि और सार्वजनिक कुएं पर कथित अवैध कब्जे के प्रयास का आरोप लगाते हुए मंगलवार को उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल को शिकायती पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर ग्राम सभा की संपत्ति को सुरक्षित कराने की गुहार लगाई है।ग्रामीणों द्वारा दिए गए शिकायती पत्र में बताया गया है कि गांव में स्थित ग्राम सभा की सार्वजनिक भूमि पर एक सार्वजनिक कुआं मौजूद है, जिसका उपयोग वर्षों से ग्रामीण पानी भरने के साथ-साथ सामाजिक और सामुदायिक कार्यक्रमों के लिए करते आ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के ही एक व्यक्ति द्वारा उक्त भूमि और सार्वजनिक कुएं पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है।

शिकायतकर्ताओं के अनुसार संबंधित व्यक्ति ने जमीन पर पिलर खड़े कर मकान निर्माण की तैयारी शुरू कर दी है। जब ग्रामीणों ने इसका विरोध किया तो उक्त व्यक्ति ने किसी की नही सुनी। जिससे गांव में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो ग्राम सभा की महत्वपूर्ण संपत्ति पर कब्जा हो सकता है और आम लोगों को सामुदायिक उपयोग के लिए उपलब्ध स्थान से वंचित होना पड़ेगा।ग्रामीणों ने एसडीएम से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा सार्वजनिक भूमि और कुएं को अतिक्रमण से मुक्त रखा जाए। साथ ही संबंधित व्यक्ति के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए भविष्य में दोबारा ऐसे प्रयास न करने के लिए सख्त निर्देश जारी किए जाएं।मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम हेमंत पटेल ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि शिकायत की जांच कराई जाएगी और जांच रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।शिकायत के दौरान रणजीत सिंह, लालाराम, भूपेंद्र, अजीत सिंह, प्रभुदयाल, कैलाश, गजराज सिंह, हेमेंद्र कुमार, माखन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

माधौगढ़ पुलिस ने लाइसेंसी रिवॉल्वर चोरी का किया खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

उरई । माधौगढ़ थाना पुलिस ने बसपा प्रत्याशी आशीष पांडे के घर से चोरी हुई लाइसेंसी रिवॉल्वर के मामले का सफल खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई रिवॉल्वर तथा 32 बोर का एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार 25 मई 2026 को कस्बा माधौगढ़ स्थित बसपा प्रत्याशी के आवास से उनके प्राइवेट गनर जयवीर सिंह कुशवाहा की लाइसेंसी रिवॉल्वर चोरी हो गई थी। मामले में थाना माधौगढ़ में मुकदमा संख्या 56/2026, धारा 305(क) बीएनएस के तहत रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी माधौगढ़ के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी अभिलाष कुमार मिश्रा के नेतृत्व में गठित टीम ने साक्ष्यों के आधार पर आरोपी मुरारी द्विवेदी पुत्र शम्भू द्विवेदी निवासी ग्राम सिहारी, थाना माधौगढ़ को गिरफ्तार कर लिया। वर्तमान में वह मध्यप्रदेश के ग्वालियर जनपद में रह रहा था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह बसपा प्रत्याशी के घर घरेलू नौकर के रूप में कार्य करता था। उसके पास पहले से 32 बोर का एक कारतूस था और वह अवैध हथियार की तलाश में था। इसी दौरान उसने गनर की रिवॉल्वर चोरी करने की योजना बनाई और वारदात को अंजाम दिया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की रिवॉल्वर को लाल रंग के थैले सहित घर के पीछे झाड़ियों से तथा कारतूस को एक दुकान के पीछे ईंट के नीचे से बरामद कर लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

(यंग भारत न्यूज)

कुठौंद-उरई । थाना कुठौंद क्षेत्र के ग्राम बबली में मंगलवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव के बाहर एक बबूल के पेड़ से युवक का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई और पुलिस को सूचना दी गई।

मृतक की पहचान पिंटू राठौर उर्फ वीर सिंह (32 वर्ष) पुत्र रामबाबू, निवासी ग्राम बबली के रूप में हुई है। ग्रामीणों ने सुबह खेतों की ओर जाते समय युवक का शव पेड़ से लटका देखा, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही थाना कुठौंद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले के विभिन्न पहलुओं की जांच के साथ-साथ फोरेंसिक साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं। परिजनों के अनुसार पिंटू राठौर पिछले कई वर्षों से मानसिक बीमारी से पीड़ित था और उसका आगरा में उपचार चल रहा था। बताया गया कि वह अक्सर मानसिक तनाव में रहता था। परिजनों ने आशंका जताई है कि मानसिक परेशानी के चलते उसने यह कदम उठाया होगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीण क्षेत्र में हुई इस घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है, जबकि गांव में शोक का माहौल बना हुआ है।

ओवरलोड ट्रैक्टर प्रशासन की नाक के नीचे से धड़ल्ले से गुजर रहे,

प्रशासन मोन ओवरलोड ट्रैक्टरों से हो रहे हैं हादसे

(यंग भारत न्यूज)

माधौगण जालौन, माधौगण कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ईंटों से लदे ओवरलोड ट्रैक्टर प्रशासन के सामने से गुजर रहे हैं लेकिन प्रशासन मौन धारण किए हुए हैं प्राप्त जानकारी के अनुसार अनिल बाबा बिरिया मंदिर के पुजारी हर ट्रैक्टर वाले से 500 सुविधा शुल्क लेते हैं और प्रशासन की जिम्मेदारी लेते हैं की कोई भी अधिकारी चला आए लेकिन हमारे मंदिर से ट्रैक्टर नहीं पकड़ेगा इसी बात पर सभी ओवरलोड ट्रैक्टर वाले अनिल बाबा को 500 हर चक्कर पर देते हैं जबकि इस की शिकायत दूरभाष के माध्यम से उप जिला अधिकारी राजेश सोनी को दी गई जिस पर उप जिला अधिकारी ने नायब तहसीलदार को मौके पर जांच करने के लिए भेजा तो अनिल बाबा ने ओवरलोड ट्रैक्टर अपने मंदिर के अंदर खड़े करा लिए और जब नायब तहसीलदार वहां से चले गए तो फिर ओवरलोड ट्रैक्टर रोड पर खड़े कर दिए इस प्रकरण में कार्रवाई न होने से ओवरलोड ट्रैक्टर वालों को विश्वास हो गया है कि अनिल बाबा के होते हुए हमारे ट्रैक्टर नहीं पकड़े जाएंगे और अनिल बाबा प्रशासन के नाम पर धड़ल्ले से उगाही कर रहे हैं और प्रशासन आंखें मूंदकर तमाशा देख रहा है जबकि कस्बा वासियों ने बताया कि ओवर लोड ट्रैक्टरों की वजह से आये दिन हादसे हो रहे हैं और इस संबंध की शिकायत संबंधित अधिकारियों से की गई है लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है

महिला व बच्चों से मारपीट का वीडियो वायरल, सात लोगों पर मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कदौरा -उरई । कदौरा थाना क्षेत्र के ग्राम चंदरसी में दो पक्षों के बीच हुआ विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि दबंगों ने एक महिला, उसके पति और बच्चों के साथ बेरहमी से मारपीट की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता रेखा पत्नी गौतम सिंह ने कदौरा थाने में दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि गांव के ही जितेंद्र पुत्र चतुरराम समेत सात लोगों ने उनके परिवार पर हमला कर दिया। पीड़िता के अनुसार देर रात आरोपी उनके घर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान महिला, उसके पति तथा पुत्री को गंभीर रूप से पीटा गया। शोर-शराबा सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिसके बाद आरोपी वहां से भाग निकले। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि घटना की सूचना देने जाते समय आरोपियों ने रास्ते में रोककर दोबारा अभद्रता और मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद परिवार में भय और दहशत का माहौल बना हुआ है। इस बीच मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसमें महिलाओं और बच्चों के साथ हाथापाई होती दिखाई दे रही है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन पर त्वरित कार्रवाई का दबाव बढ़ गया। कदौरा थाना पुलिस ने पीड़िता की तहरीर और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जितेंद्र पुत्र चतुरराम एवं छह अन्य आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मुकदमा संख्या 60/2026 दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी परमेंद्र सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

आईआईटी में रामश्री पब्लिक स्कूल का परचम, उज्जवल द्विवेदी ने हासिल की आल इंडिया रैंक 1700

जेईई मेन में 99.97 परसेंटाइल, जनपद में पीसीएम वर्ग में रहे अव्वल

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। रामश्री पब्लिक स्कूल के छात्र उज्जवल द्विवेदी ने देश की प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं में शानदार सफलता हासिल कर विद्यालय एवं जनपद का नाम रोशन किया है। उज्जवल ने जेईई मेन (प्रथम) में 99.80 परसेंटाइल तथा जेईई मेन (द्वितीय) में 99.97 परसेंटाइल प्राप्त की। वहीं जेईई एडवांस्ड में ऑल इंडिया रैंक 1700 हासिल कर आईआईटी में प्रवेश सुनिश्चित किया। इसके साथ ही उन्होंने जनपद जालौन में पीसीएम ग्रुप में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

गुरसराय निवासी उज्ज्वल राजेंद्र नगर उरई में रहकर तैयारी कर रहे थे। सफलता का श्रेय उन्होंने माता-पिता, गुरुजनों के आशीर्वाद और निरंतर परिश्रम को दिया। उनका लक्ष्य आईआईटी बॉम्बे में कंप्यूटर साइंस शाखा में प्रवेश पाना है। उज्ज्वल के पिता इंद्र भूषण द्विवेदी निजी विद्यालय में शिक्षक हैं, जबकि माता रेखा द्विवेदी गृहिणी हैं। बेटे की उपलब्धि पर परिवार भावुक हो उठा।विद्यालय प्रबंधन के अनुसार उज्जवल ने शिक्षकों के नियमित मार्गदर्शन, कड़ी मेहनत और अनुशासित अध्ययन के बल पर यह उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। छात्र की उपलब्धि पर विद्यालय में हर्ष का माहौल है। एसआर ग्रुप एवं रामश्री पब्लिक स्कूल के चेयरमैन डॉ. सी.पी. गुप्ता ने कहा कि उज्जवल की यह उपलब्धि उसकी अथक मेहनत, आत्मविश्वास, अनुशासन तथा शिक्षकों एवं अभिभावकों के सतत सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी और उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने की सीख देगी। उन्होंने कहा कि रामश्री पब्लिक स्कूल सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नैतिक मूल्यों तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की उत्कृष्ट तैयारी के लिए प्रतिबद्ध रहा है। उज्जवल की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर उन्होंने छात्र, उसके अभिभावकों तथा समस्त शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्रधानाचार्य शैलेन्द्र सिंह सेंगर, उपप्रधानाचार्य अंशुल द्विवेदी, कोऑर्डिनेटर रचना आनंद, मीनू अंसारी, परीक्षा प्रभारी राघव श्रीवास्तव, विजय ठाकुर, सुरेंद्र तिवारी, अमन पालीवाल, शिवाजी बुंदेला, देवेंद्र रावत, सहजेंद्र सिंह, अनुराग शुक्ला, रणधीर सिंह, मु. जैद, अशफाक, अभिषेक द्विवेदी सहित विद्यालय के समस्त शिक्षकों ने उज्जवल द्विवेदी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रामपुरा से ऊमरी मार्ग पर सड़क निर्माण और चौड़ीकरण कार्य जारी, ग्रामीणों में नाराजगी

(यंग भारत न्यूज)

माधौगण जालौन/: रामपुरा से ऊमरी जाने वाले मार्ग पर इन दिनों सड़क की लीपापोती और चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जा रहा है और केवल औपचारिकता पूरी की जा रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण का कार्य तो चल रहा है, लेकिन निर्माण सामग्री और कार्यप्रणाली को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों ने संबंधित विभाग से निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कराने और गुणवत्तापूर्ण सड़क निर्माण सुनिश्चित करने की मांग की है। वहीं, क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यह सड़क कई गांवों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है, इसलिए निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही भविष्य में बड़ी समस्या बन सकती है।

ग्रामीणों की मांग:

सड़क निर्माण की गुणवत्ता की जांच हो।

मानकों के अनुसार कार्य कराया जाए।

चौड़ीकरण के साथ मजबूत और टिकाऊ सड़क बनाई जाए।

जालौन से बड़ी खबर, सड़क निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों में असंतोष, जांच की मांग तेज।

हिंदू युवती को बनाया मोहरा, मुस्लिम युवकों से 10 लाख वसूलने के लिए रची पूरी स्क्रिप्ट; जांच में खुला नकुल का राज़

(यंग भारत न्यूज)

मेरठ। यूपी के मेरठ में परीक्षितगढ़ के ज़ीशान और हुमायूंनगर के शावेज़ ने नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक कार के अंदर एक युवती के साथ छेड़छाड़ की. नकुल नाम के एक कथित कार्यकर्ता ने, जिसने युवती को आरोपियों के साथ भेजने की साज़िश रची थी, उसे कोई नशीला पदार्थ खिला दिया.

जैसे ही युवती बेहोश हो गई, उसने विश्व हिंदू परिषद के सदस्यों को इसकी सूचना दी. कार्यकर्ताओं की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने जांच शुरू की, जिसमें ब्लैकमेल के जरिए 10 लाख की उगाही करने की एक साज़िश का खुलासा हुआ. इसके बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. मूल रूप से बुलंदशहर की रहने वाली यह युवती फिलहाल मेरठ में रहती है. उसने मेडिकल पुलिस स्टेशन में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिसमें उसने बताया कि वह सक्रिय रूप से नौकरी की तलाश कर रही थी. उसका एक परिचित, नकुल जो भोपाल विहार का रहने वाला है ने उसे नौकरी दिलाने का झूठा वादा करके धोखा दिया. नकुल खुद को एक हिंदू संगठन से जुड़ा कार्यकर्ता बताता है. गुरुवार को, अपनी साज़िश के तहत, नकुल ने युवती के मोबाइल फोन का इस्तेमाल करके एक खास नंबर पर मिस्ड कॉल किया. उसके कुछ ही देर बाद, उसी नंबर से एक कॉल आया. कॉल करने वाले ने खुद की पहचान ज़ीशान के रूप में बताई और उसे सूचित किया कि वह जल्द ही दोबारा कॉल करके नौकरी के अवसर के बारे में और जानकारी देगा. शनिवार को, नकुल युवती के फ्लैट पर पहुंचा. उसने उसे बताया कि नौकरी के संबंध में बातचीत पक्की हो गई है. सुबह 10:00 बजे, उसने युवती के मोबाइल फोन का इस्तेमाल करके किसी को कॉल किया. ये खबर आप गज़ब

वायरल में पढ़ रहे हैं। फिर उसने फोन युवती को थमा दिया, और दूसरी तरफ से ज़ीशान बात कर रहा था. ज़ीशान ने उसे बताया कि वह अजय अस्पताल के पास इंतज़ार कर रहा है और उसे वहां आने का निर्देश दिया, साथ ही यह भी भरोसा दिलाया कि वह उसे नौकरी जरूर दिलवा देगा. जब युवती उस जगह पर पहुंची, तो उसने देखा कि ज़ीशान की वैगन आर कार के अंदर शावेज़ बैठा हुआ है. आरोपियों के निर्देशों का पालन करते हुए, वह उनके साथ कार में बैठ गई. थोड़ी दूर चलने के बाद, ज़ीशान ने बहाना बनाया कि उसे कुछ सामान लेना है. फिर वे युवती को एक सुनसान रास्ते पर, जो पेड़ों से घिरे इलाके से होकर गुजरता था, ले गए; वहां उन्होंने उसके साथ छेड़छाड़ करना और जबरदस्ती करने की कोशिश करना शुरू कर दिया. युवती ने पूरी ताकत से उनका विरोध किया और मदद के लिए ज़ोर-ज़ोर से चीखने लगी. ठीक उसी समय, नकुल अपने एक साथी के साथ वहां पहुंचा. फिर उसने उस युवती को अपनी कार में बिठा लिया. युवती का आरोप है कि ठीक उसी जगह, नकुल ने उन दोनों आरोपियों को रेप के झूठे केस में फंसाने की धमकी दी और 10 लाख की रकम की मांग की. तब युवती ने नकुल से कहा कि उसे बहुत तेज़ सिरदर्द हो रहा है. इसके बाद, दवा देने के बहाने उन्होंने उसे कोई नशीला पदार्थ खिला दिया. इससे युवती बेहोश हो गई.

जब उसे होश आया, तो उसने खुद को पुलिस स्टेशन में पाया. आरोपी नकुल ने यह आरोप लगाते हुए ड्ढ।क्ककार्यकर्ताओं को बुलाया कि मुस्लिम युवकों ने युवती के साथ रेप किया है. नकुल के दावों पर यकीन करते हुए, कार्यकर्ताओं ने पुलिस से कार्रवाई करने की मांग की. स्क्कसिटी विनायक गोपाल भोसले ने बताया कि पुलिस जांच के दौरान सच्चाई सामने आ गई. इस मामले में, युवती की शिकायत के आधार पर एक स्नढ्ढक्रदर्ज कर ली गई है, और तीनों आरोपियों को गिरफ़्तार कर लिया गया है.

यूपी सरकार का बड़ा कदम! श्रमिकों के लिए आई 6 बड़ी खुशखबरी, जानें कैसे मिलेगा इस खास स्कीम का फायदा

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। प्रदेश की योगी सरकार राज्य के श्रमिकों की सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम उठाने जा रही है। प्रदेश में 'सोशल सिक्योरिटी कोड' (सामाजिक सुरक्षा संहिता) की नियमावली को जल्द से जल्द लागू करने की पूरी संभावना बन गई है।

इस नए नियम के लागू होने से राज्य के लाखों-करोड़ों श्रमिकों को कई महत्वपूर्ण और सीधे फायदों का लाभ मिल सकेगा। सरकार की इस नई व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य संगठित और असंगठित दोनों ही क्षेत्रों में दिन-रात काम करने वाले मजदूरों और कर्मचारियों को एक बेहतर और सुरक्षित भविष्य प्रदान करना है। उत्तर प्रदेश सरकार की इस नई नियमावली के लागू होने के बाद दूसरे राज्यों में जाकर काम करने वाले यूपी के प्रवासी श्रमिकों को भी विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ बेहद आसानी से मिल सकेगा। इसके लिए डिजिटल पंजीकरण और एकीकृत डाटा प्रणाली (इंटीग्रेटेड डेटा सिस्टम) का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके माध्यम से श्रमिक देश के किसी भी कोने में कार्यरत होंगे, वहां की आवश्यक सरकारी सुविधाओं तक उनकी पहुंच सीधे सुनिश्चित की जाएगी। इससे रोजगार की तलाश में अपने घर-परिवार से दूर रहने वाले लाखों श्रमिकों की परेशानियां काफी हद तक कम हो जाएंगी। सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत अब श्रमिकों को स्वास्थ्य सेवाओं और खाद्य सुरक्षा योजनाओं (मुफ्त राशन आदि) का लाभ अधिक प्रभावी और पारदर्शी ढंग से उपलब्ध कराया जाएगा। विभिन्न सरकारी योजनाओं से जुड़े सभी लाभार्थियों का पूरा रिकॉर्ड डिजिटल माध्यम से आपस में जोड़ दिया जाएगा। इससे पात्र श्रमिकों को बिना किसी दफ्तर के चक्कर काटे सीधे सुविधाएं प्राप्त करने में आसानी होगी और जरूरतमंद परिवारों को एक बेहतर स्वास्थ्य कवच और सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिल सकेगा। इस नियमावली में सबसे खास बात यह है कि यदि किसी कारणवश किसी कर्मचारी की नौकरी अचानक समाप्त हो जाती है, तो उसके पुनर्वास और कौशल विकास के लिए सरकार की तरफ से विशेष व्यवस्था की जाएगी। इसके तहत प्रभावित श्रमिकों को नए जमाने के हुनर सीखने और रोजगार के नए अवसर प्राप्त करने में पूरी मदद दी जाएगी। सरकार का असली उद्देश्य रोजगार संबंधी अनिश्चितताओं को कम करना और राज्य के हर कामगार को आत्मनिर्भर बनाना है। योगी सरकार महिला श्रमिकों की सुरक्षा और उनके अधिकारों को लेकर भी विशेष रूप से गंभीर है। प्रस्तावित नए नियमों में महिला कर्मचारियों के लिए मातृत्व लाभ (मैटरनिटी बेनिफिट्स) और कार्यस्थल पर मिलने वाली अन्य आवश्यक सुविधाओं को कड़ाई से शामिल किया गया है। इसका सीधा फायदा यह होगा कि कार्यस्थल पर महिलाओं को बेहतर संरक्षण, सम्मान और सहयोग मिल सकेगा, जिससे विभिन्न सेक्टर्स में महिला श्रमिकों की भागीदारी और कार्यक्षमता दोनों में भारी वृद्धि होने की उम्मीद है। नए नियमों के आने से अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) या फिक्स्ड टर्म के आधार पर काम करने वाले कर्मचारियों को भी कई बड़े मामलों में नियमित यानी परमानेंट कर्मचारियों के समान सुविधाएं देने की तैयारी कर ली गई है। उनकी सेवा अवधि के आधार पर उन्हें आर्थिक लाभ और अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिलने का रास्ता पूरी तरह साफ हो सकता है। सरकार के इस कदम से निजी क्षेत्र (प्राइवेट सेक्टर) में काम करने वाले हजारों-लाखों कर्मचारियों को बहुत बड़ा संबल मिलेगा। अक्सर देखा गया है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जुड़े डिलीवरी पार्टनर, कैब चालक, फ्रीलांस कार्यकर्ता और असंगठित क्षेत्र के अन्य छोटे श्रमिक लंबे समय से सामाजिक सुरक्षा के बड़े लाभों से पूरी तरह वंचित रहे हैं। लेकिन अब नई व्यवस्था लागू होने पर इन 'गिग वर्कर्स' को भी सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाया जा रहा है। इसके बाद इन सभी वर्गों के कामगारों को भी विभिन्न महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे मिलना शुरू हो जाएगा, जिससे उनका भविष्य सुरक्षित हो सकेगा।

जवानी का पाप. बुढ़ापे में जेल की कालकोठरी! 34 साल बाद आया कोर्ट का वो खौफनाक फैसला, कांप उठा 85 साल का बुजुर्ग!

(यंग भारत न्यूज)

पटना। 85 साल की उम्र में जहां लोग राम का भजन करते हैं, आखिरी सांस लेने से पहले तीर्थ यात्रा करते हैं वहां बिहार के एक बुजुर्ग को जेल यात्रा का फरमान जारी हो गया है. इस घटना से जुड़ी एक वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसे देखकर लोग यही कह रहे हैं कि जवानी के काले कामों की सजा बुढ़ापे में ही भुगतनी पड़ती है. कानून की तरफ से देरी ही सही, लेकिन न्याय जरूर मिलता है. यह मामला 1992 का बताया जा रहा है, जिसने इंटरनेट पर सनसनी मचा दी है. ये पूरा मामला वैशाली जिले के राघोपुर प्रखंड स्थित जुड़ावनपुर का बताया जा रहा है जहां 1992 के दशक में आपसी विवाद के चलते एक दंपति पर फायरिंग और

जानलेवा हमला हुआ था. इस मामले में एक ही परिवार को 5 लोगों पर केस दर्ज हुआ था, लेकिन 34 साल तक कोर्ट में चली सुनवाई के दौरान 4 लोगों के मौत हो गई और एक व्यक्ति बच गया. वायरल वीडियो में जो बुजर्ग नजर आ रहे हैं वो अकेले आरोपी हैं, जिन्हें मुकदमे में दोषी ठहराया गया है और सजा सुना दी गई है.

न्यायालय परिसर के बाहर रिकॉर्ड की गई वीडियो में नजर आ रहे बुजुर्ग का नाम दीप या उर्फ जिसा राय है, जिनकी उम्र करीब 85 साल है. यह उम्र का तकाजा है कि शरीर साथ नहीं दे रहा. उठने-बैठने के लिए भी 2 लोगों का सहारा लेना पड़ रहा है, लेकिन कानून की नजर में न्याय सब के लिए बराबर है, इसलिए साल 1993 में दाखिल एक चार्टशीट के मामले में 34 साल बाद आखिरी सुनवाई की गई और 2 जून 2026 को आरोपी बुजुर्ग को हिरासत में भेज दिया.

पहले लड़कियों को देता था नशा, फिर बेहोशी की हालत में करता था रेप; फर्जी साधु के मोबाइल से मिले अश्लील वीडियो और फोटो

(यंग भारत न्यूज)

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. जहां गोवर्धन पुलिस ने सोमवार देश शाम को अभिषेक मिश्रा को गिरफ्तार किया है. जो पहले इंजीनियर था और बाद में साधु बन गया जिसके बारे में बताया जा रहा है कि अभिषेक मिश्रा पर एक दर्जन से ज्यादा युवतियों को नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ यौन शोषण करने का आरोप है. उसकी गिरफ्तारी के समय आसपास रहने वाले लोगों ने शुरू में पुलिस की कार्रवाई का विरोध किया. हालांकि, जब पुलिस ने उसके अपराधों से जुड़ी चौंकाने वाली सच्चाई का खुलासा किया तो हर कोई उसे कोसने लगा. कथित साधु अपने सिर पर बाल नहीं रखता था, हमेशा सिर मुंडवाया करता था. इसके अलावा, वह हमेशा अपने माथे पर गौड़ीय संप्रदाय का तिलक लगाकर रखता था. जब भी वह अपने घर से बाहर निकलता तो उसके बाध में जाप करने वाली माला होती थी और वह राधे-राधे का जाप करता रहता था. इसके अलावा, वह राधा कुंड में होने वाली परिक्रमा रस्मों में भी नियमित रूप से हिस्सा लेता था. उसकी साधु जैसी जीवनशैली के व्यवहार के कारण स्थानीय समुदाय ने उस पर पूरा भरोसा कर लिया था. राधा कुंड के रहने वाले विशाल और गिरिराज ने बताया कि आरोपी के घर में अक्सर युवक-युवतियां आती रहती थी. इस गतिविधि की वजह से उनपर अक्सर शक होता था. लेकिन फिर सोचते थे कि ऐसे किसी पर शक नहीं करना चाहिए. इसलिए उन्होंने इसका विरोध नहीं किया, लेकिन सोमवार को जब सच्चाई सामने आई तो सन्न रह गए. इस पूरे मामले पर एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत का बयान सामने आया है.

'प्रसाद' में नशीला दूध, फिर दुष्कर्म.. आईआईटी इंजीनियर से साधु बना अभिषेक मिश्रा रेप के आरोप में गिरफ्तार, ऑनलाइन प्रवचन से फंसाता था युवतियां!

(यंग भारत न्यूज)

रायपुर। पुलिस ने एक 29 वर्षीय युवक को छात्रा से दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अभिषेक मिश्रा के रूप में हुई है, जिसने साधु बनने के बाद अपना नाम आदिकर्ता नारायण दास रख लिया था। पुलिस के अनुसार वह सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्रवचनों के माध्यम से लोगों से संपर्क करता था और धार्मिक छवि बनाकर युवाओं को प्रभावित करता था।

छत्तीसगढ़ की रहने वाली बीएससी नर्सिंग की छात्रा ने आरोप लगाया कि 15 मई को वह अपनी बहन के साथ मथुरा आई थी। जन्मदिन के अवसर पर आरोपी के संपर्क में आने के बाद उसे भगवान का प्रसाद बताकर दूध पिलाया गया, जिससे वह बेहोश हो गई। छात्रा का आरोप है कि बेहोशी की हालत में उसके साथ दुष्कर्म किया गया और उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें व वीडियो भी बना लिए गए। पीड़िता के अनुसार घटना के बाद आरोपी लगातार उसे ब्लैकमेल करता रहा। उसने

कथित तौर पर 5 लाख रुपये की मांग की और रकम न देने पर फोटो व वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी। परेशान होकर छात्रा ने अपनी मां और पिता को पूरी घटना की जानकारी दी, जिसके बाद परिवार ने 25 मई को मथुरा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत की। शिकायत मिलने के बाद गोवर्धन थाने में मामला दर्ज किया गया और पुलिस ने जांच शुरू की। 1 जून को पुलिस ने राधाकुंड स्थित आरोपी के मकान पर छापा मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया। मौके से दो युवतियों और एक युवक को भी बरामद किया गया, जिन्हें बाद में उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस को आरोपी के मोबाइल फोन से कई युवक-युवतियों की आपत्तिजनक तस्वीरें मिलने की भी जानकारी मिली है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अभिषेक मिश्रा मूल रूप से ओडिशा का निवासी है और उसने आईआईटी रुड़की से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक की पढ़ाई की थी। नौकरी छोड़ने के बाद वह पिछले कुछ वर्षों से मथुरा में रह रहा था। पुलिस का कहना है कि वह ऑनलाइन प्रवचन देकर खासतौर पर पढ़ी-लिखी और नौकरीपेशा युवतियों से संपर्क बनाता था। आरोप है कि धार्मिक और आध्यात्मिक बातचीत के जरिए विश्वास जीतने के बाद वह उन्हें अपने जाल में फंसाता था। मामले की जांच जारी है और पुलिस अन्य संभावित पीड़ितों की भी जानकारी जुटा रही है।

मुर्गियों से बेहद प्यार करता था शौहर, रात को बनाता था संबंध, बेगम ही रिकॉर्ड करती थी वीडियो!

(यंग भारत न्यूज)

यूनाइटेड किंगडम के ब्रैडफोर्ड शहर में एक बेहद घिनौने और चौंकाने वाले मामले ने लोगों को सदमे में डाल दिया है. पाकिस्तानी मूल के रेहान बैग नाम के शख्स पर अपनी पालतू मुर्गियों के साथ यौन शोषण का आरोप लगा है.

पुलिस जांच में उसके मोबाइल और अन्य डिवाइस में कई वीडियो बरामद हुए, जिनमें वह मुर्गियों के साथ अनैतिक संबंध बनाते दिख रहा था. सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस घटिया हरकत को उसकी पत्नी खुद रिकॉर्ड करती थी. कोर्ट में सुनवाई के दौरान जज ने रेहान के कार्यों की कड़ी निंदा की. ब्रैडफोर्ड क्राउन कोर्ट ने रेहान बैग को तीन साल की कैद की सजा सुनाई है. उसकी पत्नी ने वीडियो रिकॉर्ड करने की बात स्वीकार की और उसे सस्पेंडेड सजा दी गई. पुलिस के अनुसार कई मुर्गियों की मौत भी इन क्रूर हरकतों के कारण हुई थी. रेहान बैग मुर्गियों को 'फैमिली पेट्स' कहकर बुलाता था, लेकिन उसके इरादे बेहद अश्लील और अपराधिक थे. जांच एजेंसियों ने जब उसके मोबाइल को चेक किया तो उनके होश उड़ गए. यह पूरा मामला सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. लोग इस घटना पर गुस्सा जता रहे हैं और जानवरों की सुरक्षा के लिए सख्त कानून बनाने की मांग कर रहे हैं. कई यूजर्स ने लिखा, 'यह बेहद शर्मनाक है', 'जानवरों के साथ ऐसा व्यवहार किसी भी सभ्य समाज में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता.' पशु अधिकार संगठनों ने भी इस मामले पर तीखी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधों पर और सख्त सजा होनी चाहिए ताकि दूसरे लोग इससे सबक लें. जानवरों के प्रति क्रूरता मानवता के खिलाफ अपराध है. रेहान बैग लंबे समय से इस प्रकार की हरकतें कर रहा था. पड़ोसियों और परिचितों को इसकी भनक तक नहीं थी. पुलिस को तब जानकारी मिली जब डिवाइस की जांच हुई. कोर्ट ने मामले को बेहद गंभीर मानते हुए सजा सुनाई. लोग इसे एक व्यक्ति की मानसिक विकृति बता रहे हैं. वहीं लोगों ने जज के फैसले की तारीफ की. विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे मामलों में अक्सर मानसिक स्वास्थ्य की समस्या भी होती है. रेहान बैग को सजा के साथ काउंसलिंग की भी जरूरत है. यह मामला एक बार फिर साबित करता है कि सोशल मीडिया और पुलिस की सतर्कता कितनी जरूरी है. अगर समय रहते ऐसे अपराध पकड़े ना जाएं तो निर्दोष जानवरों का शोषण जारी रहता है. अभी यह खबर पूरे यूके और भारत सहित कई देशों में चर्चा का विषय बनी हुई है. लोगों का कहना है कि जानवर भी भावनाएं रखते हैं और उनके साथ क्रूरता बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए.

मुझे 20-21 लाख नहीं, उसकी लाश चाहिए... फिरोजाबाद में क्रूर तरीके से जिस मासूम को मारा गया उसकी मां की बातें कलेजा चीर देंगी

(यंग भारत न्यूज)

फिरोजाबाद। प्रदेश के फिरोजाबाद जिले से बीते दिनों एक ऐसी रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई, जिसे सुनकर किसी भी संवेदनशील इंसान की रूह कांप गया. बामई गांव में एक कसाई दिल रखने वाले शख्स ने डेढ़ साल के मासूम बच्चे को महज 30 सेकंड के भीतर 8 बार जमीन पर पटक-पटक कर बेरहमी से मार डाला.

इस कलेजा चीर देने वाले हादसे के बाद पीड़ित परिवार के घर में कोहराम मचा हुआ है. यूपी टीम ने जब मौके पर पहुंचकर उस अभागे और अबोध बच्चे की बिलखती मां से खास बातचीत की तो मां की वेदना, आक्रोश और बेबसी का ऐसा सैलाब उमड़ा कि वहां मौजूद हर शख्स की आंखें भीग गईं. बामई गांव में शनिवार को इंसानियत को शर्मसार करने वाली इस घटना को अंजाम दिया गया. 1.5 साल का मासूम आरव, जिसने अभी ठीक से दुनिया देखी भी नहीं थी और जो बोल भी नहीं पाता था, उसे उसके ही एक परिचित जितेंद्र पाठक उर्फ जितेंद्र पांडे ने टॉफी दिलाने के बहाने बहला-फुसलाकर गोद में लिया. मां ने मना भी किया, लेकिन वह जबरन बच्चे को ले गया और गेट पर लेटाकर महज 30 सेकंड के भीतर 8 बार जमीन पर पटककर उसकी निर्मम हत्या कर दी. घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी जितेंद्र को एक मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया. उसके दोनों पैरों में गोली लगी थी. यूपी बातचीत के दौरान मृतका की मां ने फूट-फूटकर रोते हुए अपना दर्द बयां किया. मां ने बताया कि अब आरोपी पक्ष की तरफ से उन्हें इस दर्दनाक मौत का सौदा करने और मामले को दबाने के लिए पैसों का लालच दिया जा रहा है. मां ने आक्रोशित होकर कहा, 'वह बोल रहा है कि हमसे 20-21 लाख ले लो और हमें छोड़ दो. हमें उसकी भीख नहीं चाहिए. वे मेरे बच्चे की मौत की कीमत लगा रहे हैं. उससे बोलो कि अपनी मां और भाई को मेरे सामने लाए, हम सबको मारेंगे. वह जितनी कीमत बताएगा, हम बराबर देंगे.'

बिलखती मां ने रोते हुए न्याय की गुहार लगाई और कहा, 'मुझे बस मुख्यमंत्री योगी जी से मिलवाओ. योगी जी सबको न्याय देते हैं, हमें भी न्याय दें. मुझे खून के बदले खून चाहिए. जैसे मेरे लाल की लाश मेरे सामने रखी थी, वैसे ही उस हत्यारे की लाश मेरे सामने लेटाओ और फिर उसकी मां को बुलाकर पूछो कि क्या तुझे अच्छा लग रहा है एनकाउंटर के बाद जब पुलिस आरोपी जितेंद्र को ले जा रही थी, तो उसने खुद को बचाने के लिए मृतका पर ही आरोप जड़ दिया कि लड़के की मां जानती है कि उसने हत्या क्यों की. इस पर सफाई देते हुए पीड़ित मां ने कहा, 'दुनिया में कोई भी मां क्या अपने हाथों अपने बच्चे को इस तरह मरवा देगी वह झूठ बोलकर बच्चे को ले गया था. इसके साथ ही, मां ने इस पूरी साजिश के पीछे अपने पति सुमित पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं जो वर्तमान में बदायूं में रहता है. मां ने रोते हुए सनसनीखेज खुलासा किया कि, 'मेरे पति ने ही यह सब करवाया है. उसने मुझसे बोला था कि तुम मुझे बच्चा नहीं दोगी तो मैं इसे मरवा दूंगा.' मां ने भरे गले से बताया कि जब बच्चा पैदा हुआ था, तब भी उसका पति चेहरा देखने नहीं आया था, तो अब बच्चे की मौत के बाद वह क्या देखने आएगा. प्रशासन और पुलिस से पूरा सहयोग मिलने की बात स्वीकार करते हुए भी मां ने न्याय व्यवस्था की सुस्त प्रक्रिया को लेकर अपनी चिंता जताई. उन्होंने कहा, 'हमें कोर्ट-कचहरी के 1 महीना 14 दिन या 20 दिन नहीं चाहिए. कातिल ने यह नहीं देखा था कि 1.5 साल का बच्चा है, तो हमें भी कोई वक्त नहीं देना है. हमें आज की आज ही इंसाफ चाहिए और हत्यारे को सीधे फांसी होनी चाहिए.' इस समय पूरे गांव और पीड़ित परिवार में भारी गम और आक्रोश का माहौल है. मां केवल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर अपनी गुहार लगाने की जिद पर अड़ी हुई है।

युवा खिलाड़ियों की मौजूदगी, नई चुनौतियां स्वीकार करने के लिए करती है प्रेरित : कोहली

अहमदाबाद

भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली ने आईपीएल में अपना सबसे तेज अर्धशतक लगाने और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को लगातार दूसरी ट्रॉफी दिलाने के बाद कहा कि टी20 प्रारूप में अपने खेल को नया रूप देने के लिए उन्हें अपनी सोच में बदलाव करना पड़ा और इस बीच युवा खिलाड़ियों ने भी उन्हें प्रेरित किया। कोहली ने 19वें ओवर की आखिरी गेंद पर अरशद खान के खिलाफ शानदार छक्का लगाकर टीम को लगातार दूसरी बार चैंपियन बनाया।

कोहली ने 42 गेंद में 9 चौके और 3 छक्कों की मदद से नाबाद 75 रन की पारी खेलने के बाद प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। उन्होंने पुरस्कार समारोह में कहा, 'यह वही पल है, जिसका हर खिलाड़ी सपना देखता है। मैंने कई बार इस क्षण की कल्पना की थी, खासकर विजयी रन बनाने की। बल्लेबाजी के लिए उतरते समय मैं पूरी तरह सहज था।' कोहली ने कहा, 'मुझे पता था कि रन-चेज में क्या करना है। युवा खिलाड़ियों की मौजूदगी आपको लगातार अपने खेल में सुधार करने और नई चुनौतियां स्वीकार करने के लिए प्रेरित करती है।'

पूरे टूर्नामेंट में रहा हमारा दबदबा : पाटीदार

अहमदाबाद। आरसीबी ने आईपीएल में अपना दूसरा खिताब उस दिन जीता जब कप्तान रजत पाटीदार अपना 33वां जन्मदिन मना रहे थे, लेकिन इस सुखद संयोग से भी कहीं अधिक वह प्रतियोगिता में अपनी टीम के शुरू से अंत तक के दबदबे से खुश थे। पाटीदार ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो पिछले साल बहुत दबाव था। इस साल टूर्नामेंट में हमारे प्रदर्शन की वजह से माहौल काफी शांत रहा। मुझे लगता है कि हमने न सिर्फ अच्छा खेल दिखाया, बल्कि इस साल हमने टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए रखा।' उन्होंने कहा, 'हमें पूरा भरोसा था कि अगर हम इसी तरह खेलते रहे तो हम निश्चित रूप से दूसरा खिताब जीतने में सफल रहेंगे।' पाटीदार ने इसके साथ ही अन्य टीम को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि उनकी टीम लगातार तीसरा खिताब जीतने के लिए भी कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

विजय जुलूस नहीं निकालेगा आरसीबी

अहमदाबाद। पिछले साल की भगदड़ और 11 लोगों की मौत को ध्यान में रखते हुए आरसीबी ने आईपीएल में लगातार दूसरी खिताबी जीत के लिए विजय जुलूस नहीं निकालने का फैसला किया है। आरसीबी के एक सूत्र ने कहा, बेंगलुरु में किसी भी प्रकार का जश्न मनाने की संभावना बहुत कम है। कुछ दिशानिर्देश निर्धारित हैं और हमें उनका पालन करना होगा। इस बीच बेंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त सीमंत कुमार सिंह ने कहा, हम किसी भी प्रकार के सार्वजनिक समारोह की अनुमति नहीं देंगे। यदि कोई जश्न मनाना चाहता है तो वह घर के अंदर मना सकता है।

आरसीबी के प्रशंसकों ने पूरी रात मनाया जश्न

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के उत्साही प्रशंसकों ने अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में अपनी टीम की लगातार दूसरी खिताबी जीत का उत्सव होकर पूरी रात जश्न मनाया और स्थानीय पुलिस ने भी यह सुनिश्चित किया कि विजय उत्सव बेंगलुरु न हो जाए। पिछले साल खिताब जीतने के जश्न के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ में 11 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। उसी घटना को ध्यान में रखते हुए बेंगलुरु पुलिस ने शहर के उन प्रमुख इलाकों में गश्त की, जहां रविवार रात मैदान में गुजरात टाइटन्स पर आरसीबी की शानदार जीत के बाद प्रशंसक जमा हुए थे। पुलिस की निगरानी के बावजूद लोगों ने पूरी रात जश्न मनाया लेकिन इस बार किसी तरह की अप्रिय घटना नहीं घटी। विजय उत्सव में शामिल एक प्रशंसक ने कहा, 'हमें खुशी है कि आरसीबी ने लगातार दो खिताब जीते हैं, लेकिन फाइनल मुकाबला रहा हमें उम्मीद थी कि गुजरात टाइटन्स कड़ी चुनौती पेश करेगा।' दिल्ली से आए एक प्रशंसक ने कहा, 'मैं विराट कोहली का प्रशंसक हूं और इसीलिए मैं आरसीबी का समर्थन करता हूं। मुझे खुशी है कि आज रात दोनों ने अच्छा प्रदर्शन किया।' बेंगलुरु पुलिस ने आरसीबी की जीत की संभावना को देखते हुए कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए शहर के कुछ क्षेत्रों के आसपास गश्त शुरू कर दी थी।

खबर संक्षेप

पीएम मोदी ने 19 पदक जीतने पर भारतीय टीम को दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22वीं एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10 स्वर्ण पदकों सहित 19 पदक जीतने वाले भारतीय टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह शानदार प्रदर्शन खिलाड़ियों के दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता को दर्शाता है। भारत ने हांगकांग में आयोजित की गई चार दिवसीय प्रतियोगिता में 10 स्वर्ण, पांच रजत और चार कांस्य सहित कुल 19 पदक जीतकर चीन (14 स्वर्ण, नौ रजत, दो कांस्य) के बाद दूसरा स्थान हासिल किया। मोदी ने 'एक्स' पर कहा, 22वीं एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10 स्वर्ण पदकों सहित 19 पदक जीतने के लिए भारतीय टीम को हार्दिक बधाई। यह उत्कृष्ट प्रदर्शन भारत के युवा एथलीटों के दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता को दर्शाता है।

टॉप्स विकास समूह में 22 नौकायन खिलाड़ी शामिल

नई दिल्ली। जापान के आइची-नागोया में सितंबर-अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारियों के मद्देनजर नौकायन (सेलिंग) के 22 खिलाड़ियों को सोमवार को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के विकास समूह में शामिल किया गया। यह फैसला मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की 174वीं बैठक में लिया गया। भारतीय नौकायन संघ (आरएफआई) की ओर से वार्षिक राष्ट्रीय चयन ट्रायल और विभिन्न नौकाओं के लिए दलों को अंतिम रूप दिए जाने के बाद खिलाड़ियों की सूची जारी की गई। विकास समूह में शामिल प्रमुख खिलाड़ियों में पेरिस ओलंपिक 2024 में हिस्सा लेने वाले बलराज पंवार, 2022 एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता अरविंद सिंह और दो पदक जीत चुके जसविंदर सिंह शामिल हैं। कुल 22 खिलाड़ियों को छह विभिन्न नौका वर्गों में टॉप्स विकास समूह में शामिल किया गया है।

आईजीपीएल राइजिंग स्टार्स संयुक्त 12वें स्थान पर कार्तिक

अल जदीदा। भारत के उभरते हुए गोल्फर कार्तिक सिंह ने आईजीपीएल मोरक्को राइजिंग स्टार्स 2026 के अंतिम दौर में एक अंडर 71 का स्कोर बनाकर संयुक्त 12वां स्थान हासिल किया। आखिरी नौ होल में एक डबल बोगी और एक बोगी करने के बावजूद कार्तिक का प्रदर्शन सराहनीय रहा।

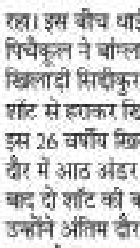

इस बीच थाईलैंड के तानापत पिचैकूल ने बांग्लादेश के अनुभवी खिलाड़ी सिद्दीकुर रहमान को दो शॉट से हराकर खिताब जीता। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने तीसरे दौर में आठ अंडर 64 के स्कोर के बाद दो शॉट की बढ़त बना ली थी। उन्होंने अंतिम दौर में दो अंडर 70 का स्कोर बनाकर अपनी बढ़त को बरकरार रखा। उन्होंने कुल 9 अंडर का स्कोर बनाया।

आईपीएल 2026 समीक्षा : टाइटन्स ने अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों में बनाई पहचान

आरसीबी और गुजरात का शानदार सफर एमआई-एलएसजी को करना होगा मंथन

नई दिल्ली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने एक और बेहद सफल सत्र में शानदार प्रदर्शन किया, गुजरात टाइटन्स ने प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी निरंतरता बनाए रखी लेकिन आईपीएल की बड़ी टीम मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने निराशाजनक प्रदर्शन के बाद 2026 सत्र के खत्म होने से पहले ही अगले सत्र के लिए बदलाव की प्रक्रिया शुरू कर दी। टी20 क्रिकेट में कोई भी टीम किसी को भी हरा सकती है और लीग की प्रकृति में यह बात साफ दिखी क्योंकि प्लेऑफ में जगह बनाने वाली टीम का फैसला लीग चरण के आखिरी दिन हुआ। आरसीबी, गुजरात टाइटन्स और सनराइजर्स हैदराबाद लीग चरण के आखिरी दिन से पहले ही क्वालीफाई कर चुकी थीं, लेकिन राजस्थान रॉयल्स 24 मई को मुंबई इंडियंस को हराकर चौथी टीम के तौर पर प्लेऑफ में शामिल हो गई, जिसने आखिरी दिन पंजाब किंग्स को बाहर कर दिया।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

18 साल से आईपीएल खिताब का इंतजार कर रही इस फ्रेंचाइजी ने पिछले सत्र में अपनी ऐतिहासिक जीत के बाद अब जीत को अपनी आदत बना लिया है। एंडी फ्लावर और मो बोबाट के नेतृत्व वाले थिंक टैंक ने एक ऐसी चैंपियन टीम तैयार की है, जो मैदान पर जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। विराट कोहली अपने करियर के इस पड़ाव पर भी युवा खिलाड़ियों से मुकाबला करने के लिए लगातार अपने खेल में नए प्रयोग कर रहे हैं।

गुजरात टाइटन्स

टाइटन्स ने अपने छोटे से आईपीएल इतिहास में सबसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने पांच सत्र में तीन बार फाइनल में जगह बनाई है, जिसमें अपने पहले ही सत्र में खिताब जीतना भी शामिल है। शुभमन गिल, साई सुदर्शन और जोस बटलर ने लगातार रन बनाए। अगर कभी ये खिलाड़ी नाकाम रहे तो मध्यक्रम उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सका, जिससे टीम प्रबंधन को यह अगली नीलामी में मजबूत करना चाहेगी।

सनराइजर्स हैदराबाद

पैट कमिंस की कप्तानी वाली इस टीम ने दोनों शुरुआत के बाद इस सत्र में ज्यादा कुछ गलत नहीं किया। हालांकि 'एलिमिनेटर' में ईशान सूर्यवंशी और जोफ्रा आर्चर के शानदार प्रदर्शन के आगे उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उनके लिए सकारात्मक चीज प्रफुल हिंगे और साकिब हुसैन जैसे तेज गेंदबाजों का उभरकर सामने आना रही।

राजस्थान रॉयल्स

तत्कालीन रियान पराग ने खुद यह बात स्वीकार की है कि रॉयल्स को लीग चरण के आखिरी दिन का इंतजार करने के बजाय, उससे काफी पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लेना चाहिए था। उनका अभियान काफी हद तक 15 साल के किशोर खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी पर निर्भर था जो अपने पहले पूरे सत्र में 237.30 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने।

मुंबई इंडियंस

भारत के कई बड़े सितारों से सजी टीम इस सत्र में सबसे ज्यादा निराशाजनक प्रदर्शन करने वाली टीम रही। जसप्रीत बुमराह, हार्दिक, सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा की चौकड़ी इस सत्र को भुलाना चाहेगी। रोहित शर्मा ने शीर्ष क्रम में ठीक प्रदर्शन किया, लेकिन चोट की वजह से उनका सत्र प्रभावित रहा।

लखनऊ सुपर जायंट्स

दो निराशाजनक सत्र के बाद कप्तान ऋषभ पंत के पद छोड़ने के साथ ही अगले सत्र के लिए टीम में बदलाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। पहले हिस्से में टीम की बल्लेबाजी पूरी तरह फ्लॉप रही जबकि मोहम्मद शमी, मोहसिन खान और प्रिंस यादव की अगुवाई में गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया।

दिल्ली कैपिटल्स

लगातार दूसरे सत्र में दिल्ली कैपिटल्स अक्षर पटेल की कप्तानी में प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही। यह एक और ऐसा सत्र रहा, जिसमें केएल राहुल ने 500 से ज्यादा रन बनाए लेकिन आखिरी ओवरों के लिहाज से उन रनों की अहमियत नहीं रही। टीम के पास बल्लेबाजी में जरूरी ताकत की कमी थी। गेंदबाजी में भी जरूरी धार नहीं थी।

पंजाब किंग्स

आईपीएल के पहले हाफ में सबसे मजबूत टीम मानी जा रही पंजाब किंग्स ने दूसरे हाफ में लगातार छह मैच हारकर अपने प्लेऑफ में पहुंचने के मौकों को गंवा दिया। उनकी शानदार बल्लेबाजी ने उनकी कमजोर गेंदबाजी की भरपाई कर दी थी, लेकिन बाद में श्रेयस अय्यर की टीम ही विभागों में उनका प्रदर्शन गिर गया।

कोलकाता नाइट राइडर्स

शुरुआती छह मैच हारने के बाद भी 10 टीम में से आठवें स्थान पर रहकर केकेआर ने अच्छा प्रदर्शन किया। पूरी संभावना है कि अजिंक्य रहाणे ने आईपीएल में अपना आखिरी सत्र खेल लिया है। टीम को सभी विभागों में संघर्ष करना पड़ा और अब उसे पूरी तरह से नए सिरे से तैयार करने की जरूरत है।

चेन्नई सुपर किंग्स

पांच बार की चैंपियन टीम 2023 में खिताब जीतने के बाद से अब तक प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही है। रुतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली फ्रेंचाइजी को अब अपनी रणनीति में बदलाव करने की जरूरत है।

क्रिकेट

आईसीसी ने लागू किए नए नियम टी20 में कोच की मैदान में एंट्री

लेग साइड वाइड, डे टेस्ट में पिंक बॉल पर लगी मुहर

अहमदाबाद

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने क्रिकेट नियमों से जुड़ी कुछ सिफारिशों पर मुहर लगा दी है। अहमदाबाद में बोर्ड मीटिंग के दौरान इस पर फैसला लिया गया।

इसके तहत दिन में होने वाले टेस्ट मैच में पिंक बॉल के इस्तेमाल, लेग साइड वाइड ट्रायल, अवैध बॉलिंग एक्शन पर हॉक आई डेटा के एक्सेस को मंजूरी दी गई। इससे आने वाले समय में क्रिकेट में काफी बदलाव देखने को मिलेंगे। वहीं आईसीसी ने टी 20 मैच के दौरान कोच को मैदान में एंट्री का प्रावधान रखा है। आईसीसी ने बताया कि अगर खराब रोशनी के चलते खेल में रुकावट आती है तब अंपायर दोनों टीमों की सहमति से लाल गेंद की जगह पिंक बॉल से खेल को आगे बढ़ा सकते हैं।

ऐसा इसलिए किया जा रहा क्योंकि कई बार खराब रोशनी के चलते मैच में समय खराब होता है और इससे नतीजा नहीं निकल पाता है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के अंक दांव पर होने की वजह से इस तरह के नतीजे टीमों के लिए नुकसानदेह साबित हुए हैं।

लेग साइड वाइड पर अहम फैसला

बोर्ड मीटिंग में लेग साइड वाइड पर अहम फैसला हुआ। अब अगर किसी बल्लेबाज के लेग साइड में कोई गेंद जाती है तो वह सीधे-सीधे वाइड नहीं होगी। अंपायर यह जांच करेंगे कि वह बल्लेबाज से कितनी दूर है। उसके हिसाब से ही फैसला किया जाएगा। कहा जा रहा है कि एक तय लाइन खींची जाएगी और उसके अंदर अगर गेंद रहती है तो वह वाइड नहीं होगी। लेकिन इस पर फैसला मैदानी अंपायर ही लेगा। अभी इस नियम को आईसीसी ने ट्रायल पर डाला है।

डब्ल्यूटीटी प्रिस्टिना फीडर सीरीज

15 साल की दिव्यांशी ने रचा इतिहास, जीते दो स्वर्ण पदक

प्रिस्टीना

उभरती हुई खिलाड़ी 15 वर्षीय दिव्यांशी भौमिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डब्ल्यूटीटी फीडर महिला एकल खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। वह इस उपलब्धि हासिल करने वाली भारत की सबसे कम उम्र की महिला खिलाड़ी बन गई हैं। विश्व रैंकिंग में 21वें स्थान पर काबिज दिव्यांशी ने फाइनल में चीनी ताइपे की विश्व नंबर 38 येह यी-तियान को रोमांचक मुकाबले में 3-2 (8-11, 11-8, 11-5, 7-11, 11-7) से पराजित किया। भारतीय खिलाड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए अद्भुत संयम, जुझारूपन और आत्मविश्वास का परिचय दिया तथा यादगार जीत दर्ज की। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने सीनियर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी दमदार मौजूदगी का अहसास कराया। दिव्यांशी की यह उपलब्धि केवल भारतीय टेबल टेनिस के लिए ही ऐतिहासिक नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी उन्हें विशिष्ट स्थान दिलाती है।

महिला युगल में जीता गोल्ड

दिव्यांशी ने अपने शानदार अभियान में एक और स्वर्णिम उपलब्धि जोड़ते हुए महिला युगल वर्ग का स्वर्ण पदक भी जीता। उन्होंने साथी भारतीय किशोर खिलाड़ी सिंड्रेला दास के साथ मिलकर जापान की साची आओकी और कोकोना मुरामत्सु की जोड़ी को रोमांचक फाइनल में 3-2 (7-11, 14-12, 12-14, 11-8, 11-7) से हराया। करीब आधे घंटे तक चले इस संघर्षपूर्ण मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने पहला गेम गंवाने के बावजूद शानदार वापसी की। निर्णायक क्षणों में दबाव के बीच उनका धैर्य और कुशल खेल देखने लायक रहा, जिसने भारत की इस उभरती हुई जोड़ी की बढ़ती परिपक्वता और उज्ज्वल भविष्य की झलक पेश की।

उम्र से कहीं अधिक दिखाई परिपक्वता

मात्र 15 वर्ष की आयु में वह जापान की स्टार खिलाड़ी मिवा हरिमोटो के बाद डब्ल्यूटीटी फीडर सर्किट में महिला एकल खिताब जीतने वाली दुनिया की दूसरी सबसे युवा खिलाड़ी मानी जा रही हैं। प्रिस्टीना में आयोजित प्रतियोगिता के दौरान दिव्यांशी ने पूरे सप्ताह अपने खेल से प्रभावित किया। उन्होंने अपने से अधिक अनुभवी और ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ियों को बेखौफ आक्रामक खेल तथा अटूट आत्मविश्वास के दम पर मात दी।

नार्वे चेस : गुकेश और दिव्या हारे कार्लसन ने दर्ज की बड़ी जीत

ओस्लो

नॉर्वे चेस 2026 के छठे राउंड में कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर रही, जिससे खिताब की दौड़ और दिलचस्प हो गई है। पुरुष वर्ग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने टूर्नामेंट लीडर अलीरेजा फिरोजा को हराकर बड़ी जीत दर्ज की। सफेद मोहरों से खेलते हुए कार्लसन ने पूरे मुकाबले में दबाव बनाए रखा और बाद के चरण में अपनी बढ़त का फायदा उठाकर जीत हासिल की। यह फिरोजा की टूर्नामेंट में पहली क्लासिकल हार रही। एक अन्य मुकाबले में वेस्ली सो ने भारत के युवा ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंदा को हराया। लंबे समय तक यह मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा, लेकिन एंडगेम में वेस्ली ने बेहतर खेल दिखाते हुए पूरे तीन अंक हासिल किए। इस जीत के साथ वह

अब तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए हैं।

कीमर से हारे गुकेश

मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश को जर्मनी के विंसेंट कीमर के हाथों हार का सामना करना पड़ा। कीमर इस मुकाबले में गुकेश पर शुरुआत से ही हावी रहे और वह अपने दबदबा खेल को अंत तक बरकरार रखने में सफल रहे। विंसेंट ने गुकेश को वापसी करने का मौका नहीं दिया और शानदार जीत दर्ज की।

'जी' ने हासिल किए भारत के लिए 'फीफा वर्ल्ड कप' राइट्स

नई दिल्ली

भारत में फुटबॉल प्रेमियों के लिए बड़ी राहत की बात है कि 'जी' पर 2026 फीफा विश्व कप का सीधा प्रसारण किया जाएगा क्योंकि 11 जून से शुरू होने वाले टूर्नामेंट से 10 दिन पहले 'जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेस लिमिटेड' ने फुटबॉल की विश्व संचालन संस्था फीफा के साथ 8 साल की भागीदारी की घोषणा की।

इस साझेदारी के तहत 'जी' भारत में विश्व कप 2026 समेत फीफा के सभी मुकाबलों का प्रसारण करेगा। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल संस्था फीफा के साथ हुए इस करार के तहत 'जी' फीफा के 39 वैश्विक फुटबॉल टूर्नामेंट का प्रसारण करेगा, जिनमें 11 जून 2026 से शुरू होने वाला फीफा विश्व कप भी शामिल है। अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको विश्व कप 2026 की संयुक्त मेजबानी करेंगे।

'यूनाइटेड8 स्पोर्ट्स नेटवर्क' में होगा विश्वकप का प्रसारण

विश्व कप का टीवी पर सीधा प्रसारण जी एंटरटेनमेंट अपने नए 'यूनाइटेड8 स्पोर्ट्स नेटवर्क' के जरिए करेगा जबकि इसकी लाइव स्ट्रीमिंग 'जी5' ऐप पर उपलब्ध होगी। जी एंटरटेनमेंट के पास

भारतीय बाजार के लिए फीफा विश्व कप 2026, फीफा विश्व कप 2030, फीफा महिला विश्व कप 2027 के साथ 2034 तक के अन्य अहम फीफा टूर्नामेंट और डिजिटल-शॉर्ट फॉर्म कंटेंट के मीडिया अधिकार होंगे। जी एंटरटेनमेंट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पुनीत गोयनका ने कहा, 'हम दुनिया के सबसे बड़े खेल टूर्नामेंट में से एक को भारतीय दर्शकों तक पहुंचाने को लेकर बहुत उत्साहित हैं। मीडिया अधिकार हासिल करने और विशेष खेल चैनल शुरू करने में किया गया हमारा निवेश, इस खेल की लंबी अवधि की संभावनाओं में हमारे पक्के विश्वास को दर्शाता है।'

आज से शुरू हो रहा थाईलैंड ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट

बुलंद हौसलों के साथ कोर्ट पर उतरेगी सात्विक-चिराग की जोड़ी

बैंकॉक

सिंगापुर ओपन में लंबे समय से चले आ रहे खिताबी इंतजार को समाप्त करने के बाद आत्मविश्वास से भरपूर भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी अब मंगलवार से शुरू हो रहे थाईलैंड ओपन सुपर 1000 में लगातार दूसरा खिताब जीतने के इरादे से कोर्ट पर उतरेगी।

पूर्व विश्व नंबर एक भारतीय जोड़ी को प्रतियोगिता में चौथी वरीयता मिली है। अपने पहले मुकाबले में उनका सामना मलेशिया के कांग खाई शिंग और आरोन ताई की जोड़ी से होगा। पुरुष युगल में भारत की दूसरी जोड़ी एमआर अर्जुन और हरिहरन अम्सकरुणन का मुकाबला मलेशिया के नूर मोहद अजरीन आयुब अजरीन और तान वी कियोंग से होगा। यदि दोनों भारतीय जोड़ियां अपने-अपने शुरुआती मुकाबले जीतती हैं तो दूसरे दौर में आमने-सामने हो सकती हैं।

पहला मुकाबला मलेशिया के शिंग और आरोन की जोड़ी से

सिंधु की पहली भिड़ंत थाईलैंड की ओंगबामरूंगफान से

महिला एकल में भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु अपने अभियान की शुरुआत थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरूंगफान के खिलाफ करेंगी। सिंधु सिंगापुर ओपन में क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थीं। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में मालविका बंसोड़ का सामना थाईलैंड की सातवीं वरीय पोर्नपावी चोचुवोंग से होगा, जबकि उन्नति हुड्डा को पहले ही दौर में जापान की विश्व नंबर 12 नोजोमी ओकुहारा जैसी मजबूत प्रतिद्वंद्वी मिली हैं।

लक्ष्य भिड़ेंगे अल्वी फरहान से

लक्ष्य सेन पुरुष एकल में अपने पहले मुकाबले में इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से भिड़ेंगे। वहीं किदांबी श्रीकांत का सामना जापान के युशी तनाका से होगा। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में आयुष शेट्टी का मुकाबला चीन के वेंग होंग यांग से होगा, जबकि थरुण मन्नेपल्ली आयरलैंड के न्हाट गुयेन के खिलाफ चुनौती पेश करेंगे। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो के साथ रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। महिला युगल में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद भारत की एकमात्र जोड़ी पहले दौर में इंडोनेशिया की फेब्रियाना द्विपुजी कुसुमा और मेलिसा ट्रियास पुस्पितासारी के खिलाफ अभियान शुरू करेंगी।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महिलाएं अहम भूमिका निभा सकती हैं। इसके लिए बहुत बड़ी कोई कार्य योजना बनाने की भी जरूरत नहीं है। घर के आंगन से ही इसकी शुरुआत कर, वे दूसरों को भी पर्यावरण संरक्षित करने के लिए प्रेरित कर सकती हैं। महिलाएं किन मोर्चों पर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देकर देश को प्रदूषण मुक्त रख सकती हैं, हर तरफ हरियाली बिखेर सकती हैं, जानिए।

विशेष
विश्व पर्यावरण दिवस
5 जून

पर्यावरण सहेजने के मोर्चे पर डटें महिलाएं

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

सदा से ही सब कुछ सहेजने का भाव रखने वाली महिलाएं पर्यावरण को बचाने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। अब इस फ्रंट पर बिना देरी किए सार्थक कदम उठाने की भी दरकार है। 2026 के विश्व पर्यावरण दिवस की थीम 'नाउ फॉर क्लाइमेट चेंज' है। यानी एनवॉयर्नमेंट प्रोटेक्शन के लिए जल्द से जल्द कार्रवाई करनी ही होगी। यह विषय हमारी धरती, पर्यावरण और मौसमी बदलावों से जुड़ी हर चेतावनी को समझने का संदेश देता है। ऐसे में महिलाएं तुरंत इस फ्रंट को संभाल सकती हैं। उन छोटे-छोटे कदमों को बढ़ावा दे सकती हैं, जो पर्यावरण बचाने में बहुत कारगर सिद्ध हो सकते हैं। घर हो या बाहर, महिलाएं इस ओर बढ़ने की शीघ्र पहल करें।

आंगन से शुरू हो मुहिम

घर-परिवार में सब कुछ संभालने वाली स्त्रियां आम-सी बातों और आदतों पर ध्यान देकर भी एनवॉयर्नमेंट प्रोटेक्शन से जुड़ी कार्रवाई को बल दे सकती हैं। आप भी अपने आंगन से ही इसकी शुरुआत कर सकती हैं। ई-वेस्ट को कम करना, बिजली और पानी की बचत, फूड वेस्ट न करना, आस-पास जाने के लिए पैदल चलना, पेपर-नैपकिन की बजाय रुमाल का यूज करना, रि-साइकिलिंग के लिए घर के कचरे का सही तरीके से निस्तारा करने जैसे काम हर घर में किए जा सकते हैं।

वाटर प्यूरीफायर से निकलने वाले वेस्ट पानी से पौधों को सींचना हो या पोछा लगाने में इस्तेमाल करना। सिंगल-यूज प्लास्टिक से दूरी बनाने के लिए बाजार जाते हुए थैला साथ रखने की आदत बनानी हो या लाइट, पंखे जैसे उपकरणों को बेवजह चलते ना रहने देना। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए आप खुद भी सजग हों और घर के दूसरे सदस्यों को भी इन आदतों को अपनाने को प्रेरित करें। असल में 'नाउ फॉर क्लाइमेट चेंज' मुहिम का मूल मंत्र भी 'सोच बड़ी, पर शुरुआत छोटी' ही है। डेली लाइफ में छोटे-छोटे बदलाव कर क्लाइमेटिक हालातों पर गहरा असर डाला जा सकता है। बड़ी जनसंख्या वाले हमारे देश में तो ऐसी हर सहज शुरुआत और भी मायने रखती है।

तीज-त्योहारों के व्यावहारिक अर्थ समझें

हमारे पर्व-त्योहारों को मनाने से जुड़ी बुनियादी सोच, प्रकृति और इंसान के बीच सहज संतुलन बनाने वाली ही है। कुदरत का आभार और संरक्षण इनसे जुड़े मुख्य संकल्प हैं। ऋतु-परिवर्तन से जुड़े हमारे त्योहार जल, धरती और हरियाली जैसे प्राकृतिक संसाधनों को सहेजने का व्यावहारिक पाठ पढ़ाने वाले रहे हैं। मकर संक्रांति, पोंगल, फूलदेई और बैसाखी जैसे पर्व सीधे तौर पर फसल चक्र और प्रकृति की पूजा से ही जुड़े हैं। वट सावित्री, आंवला नवमी, सरहुल और पीपल पूर्णिमा जैसे बहुत से त्योहार पेड़ों के पूजन-अर्चन के संग धरती की गोद में हरियाली के बने रहने की प्रार्थनाएं भी लिए हैं। तुलसी और केले के पौधे तो हर दिन पूजे जाते हैं। पारंपरिक रूप से हल्दी, चंदन और फूलों के प्राकृतिक रंग हमारे जीवन का हिस्सा रहे हैं। जल, अग्नि, वायु और आकाश के संतुलन वाली परंपरागत जीवनशैली में मिट्टी की मूर्तियों के पूजन का रिवाज रहा है। विशेष अवसरों पर नदियों और कुओं की पूजा की जाती है। चिंता की बात यह है कि बीते कुछ वर्षों में त्योहारों के रंग-ढंग भी बदल गए हैं। जिसके चलते नदी-तालाब प्लास्टिक से अंट गए हैं। दिखावटी-सजावटी चीजों ने प्रकृति के रंग छीनने का काम किया है। यही वजह है कि इन पर्वों को मनाने वाली स्त्रियां त्योहारों के व्यावहारिक अर्थ समझकर पर्यावरण सहेजने की धुरी बन सकती हैं। प्रकृति को सहेजने के लिए, स्त्रियां इन त्योहारों को पारंपरिक संस्कारों के साथ मनाएं।

बनाएं सहेलियों के समूह

सहेलियां एक-दूजे को देखकर फैशन और स्टाइल ही नहीं, ईको-फ्रेंडली आदतें भी अपना सकती हैं। किट्टी पार्टी या आस-पड़ोस का कोई ग्रुप पर्यावरण सहेजने वाली एक्टिविटीज से भी जुड़ सकता है। अपने-अपने घर में किचन गार्डन बना सकती हैं। छत पर सब्जियां और छोटी-सी बालकनी में हरी मिर्च, धनिया, पुदीना जैसे पौधे आसानी से उगा सकती हैं। अपने उगाए सब्जी, फल-फूल आदि एक-दूजे संग शेयर कर खुशियां साझा कर सकती हैं। अपनी फ्रेंड्स के साथ मिलकर किसी स्थानीय पार्क में पौधारोपण करने या किसी तालाब की साफ-सफाई का भी प्लान बनाएं। सरकारी संस्थान या किसी संगठन द्वारा रोपे गए पौधों के देखभाल की जिम्मेदारी लें। नई चीजें खरीदने की बजाय मिलकर पुरानी चीजों का मेकओवर करें। यह एक-दूसरे से कुछ क्रिएटिविटी सीखने और कुदरत को सहेजने की सबसे सुंदर राह है। पार्टियों की तस्वीरें ही नहीं, सोशल मीडिया में अपनी इन गतिविधियों को भी शेयर करें। पर्यावरण के प्रति सजगता और जिम्मेदारी रखने का भाव लिए छोटे-छोटे कदम डिजिटल दुनिया में दूसरी महिलाओं को भी प्रेरणा देंगे, वे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सक्रिय होंगी।

परवरिश में घुली हो हरियाली

पर्यावरण का संकट किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। इससे निपटने के लिए हमें तो हर संभव प्रयास करने ही होंगे, साथ ही अपने बच्चों को भी जागरूक बनाना होगा। उनकी परवरिश इस तरह करनी होगी कि बच्चों के व्यवहार-जीवनशैली में पर्यावरण-सजगता शामिल हो।

सजगता

पूर्ति खरे

बच्चे अपने पैरेंट्स और परिवार से जो सीखते हैं, वो उनके व्यक्तित्व का स्थाई हिस्सा बन जाता है। उनकी आदतें, सोच, व्यवहार और जीवन के प्रति दृष्टिकोण सबकी पहली पाठशाला घर-परिवार ही होती है। ऐसे में यदि बचपन से ही उन्हें प्रकृति के प्रति प्रेम, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और संसाधनों के सम्मान की सीख मिले, तो यह केवल आदत नहीं, उनके भावी जीवन की बुनियाद भी रखता है।

व्यवहार में शामिल हो सजगता: आज जब दुनिया ग्लोबल वार्मिंग, पेय जल संकट, प्रदूषण और घटते जंगलों जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रही है, तब पर्यावरण शिक्षा को केवल बच्चों के स्कूल की किताबों तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। इसे उनके रोजमर्रा की दिनचर्या, व्यवहार और संस्कारों में शामिल करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। बच्चों को अगर हम आज पर्यावरण के प्रति सजग बनने के संस्कार देंगे तो वे जीवनपर्यंत पर्यावरण संरक्षण को लेकर संवेदनशील रहेंगे।

प्रकृति से बढ़ती दूरी है मूल वजह: पहले के समय में पर्यावरण संरक्षण शब्द भले इतना प्रचलित न रहा हो, लेकिन हमारी जीवनशैली प्रकृति के बेहद करीब हुआ करती थी। दादी-नानी की रसोई में प्लास्टिक नहीं, कपड़े के थैले और मिट्टी के बर्तन होते थे। पानी की एक-एक बूंद की कीमत समझी जाती थी। पेड़ केवल छाया देने वाली वस्तु नहीं, परिवार के सदस्य जैसे माने जाते थे। गर्मियों में घरों के बाहर पक्षियों के लिए पानी रखा जाता था, बचा हुआ खाना पशुओं को दे दिया जाता था और त्योहार भी प्रकृति के अनुकूल मनाए जाते थे। यह सब किसी पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं था, बल्कि जीवन का स्वाभाविक व्यवहार था। लेकिन आधुनिकता और सुविधाओं की दौड़ में हम प्रकृति से धीरे-धीरे दूर होते चले गए। ऐसे में पर्यावरण शिक्षा को फिर से जीवन के केंद्र में लाना जरूरी हो गया है।

महसूस कराएं प्राकृतिक आत्मीयता: जब बच्चा मिट्टी में पौधे का बीज रोपता है, किसी मुरझाए पेड़ को पानी देता है, किसी चिड़िया को दाना डालता है या पहली बारिश की खुशबू महसूस करता है, तब उसके भीतर प्रकृति के प्रति आत्मीयता जन्म लेती है। आज की पीढ़ी बेहद संवेदनशील और जागरूक है। जरूरत केवल उन्हें सही दिशा देने की है। यदि हम उन्हें यह समझा पाएं कि पृथ्वी केवल मनुष्यों की नहीं, बल्कि पक्षियों, जानवरों, पेड़-पौधों और आने वाली पीढ़ियों की भी है, तो वे निश्चित ही जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। यह भी सच है कि बच्चों को केवल डर दिखाकर पर्यावरण के प्रति जागरूक नहीं बनाया जा सकता। इसलिए जरूरी है कि उन्हें प्रकृति की सुंदरता, उसकी उदारता और उससे मिलने वाले सुख का भी अनुभव कराया जाए। उन्हें यह महसूस होना चाहिए कि पर्यावरण बचाना कोई बोझ नहीं, बल्कि जीवन को सुंदर बनाने का तरीका है।

बनें बच्चों के रोल मॉडल: बच्चे सबसे ज्यादा अनुकरण घर में करते हैं। यदि वे अपने माता-पिता को पानी व्यर्थ बहाते, हर छोटी चीज के लिए प्लास्टिक का उपयोग करते या बिजली की अनावश्यक बर्बादी करते देखेंगे, तो वही सीखेंगे। वहीं यदि घर में कपड़े के थैले इस्तेमाल होंगे, पौधों की देखभाल की जाएगी, पानी और बिजली बचाने पर ध्यान दिया जाएगा, तो बच्चे इसे सहज व्यवहार की तरह अपनाएंगे।

ये सरल तरीके भी हैं कारगर : सप्ताह में एक दिन 'नो प्लास्टिक डे' रखा जा सकता है। बच्चों के साथ मिलकर बालकनी या छत पर छोटा-सा किचन गार्डन बनाया जा सकता है। उसकी देखभाल की जिम्मेदारी बच्चों को ही सौंपी जा सकती है। जन्मदिन पर महंगे रिटर्न गिफ्ट्स की जगह पौधे बांटने की शुरुआत की जा सकती है। छुट्टियों में बच्चों को किसी जंगल, नदी या गांव की सैर कराई जा सकती है ताकि वे प्रकृति को वास्तविक रूप में महसूस कर सकें।

अफर्मेशन यानी सकारात्मक कथन आत्मविश्वास बढ़ाने, सफलता पाने की दिशा में बहुत प्रेरक सिद्ध होता है। यह कैसे काम करता है, आपको भी जानना चाहिए।

अफर्मेशन का होता है जादुई असर

स्वप्रेरणा

अंजू जैन

अकसर मनोविज्ञानी, व्यवहार विशेषज्ञ, समाजशास्त्री और प्रेरक वक्ता, जीवन में आगे बढ़ने, सुकून और समृद्धि हासिल करने के लिए अफर्मेशंस को बहुत प्रभावी मानते हैं।

क्या हैं अफर्मेशन: अफर्मेशन यानी सकारात्मक कथन, मस्तिष्क को रीप्रोग्राम करने की एक वैज्ञानिक तकनीक है, जो न्यूरोप्लास्टिसिटी के माध्यम से तनाव कम करती है, आत्मविश्वास बढ़ाती है और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाती है। शोध बताते हैं कि यह तकनीक मस्तिष्क के रिवॉर्ड सिस्टम को सक्रिय करती है और सेल्फ वर्थ की भावना को बढ़ाती है।

अफर्मेशन के प्रमुख फायदे: यह तनावपूर्ण स्थितियों में शांत रहने और मानसिक लचीलापन बढ़ाने में मदद करती है। साथ ही सकारात्मक कथन, मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करते हैं, जो आत्म-धारणा और समस्या-समाधान से जुड़े होते हैं। ये कथन नकारात्मक विचारों को बदलते हैं, आत्म-संदेह और डर को दूर करते हैं। वैज्ञानिक सोच पर अनुसंधान करने वाले वैज्ञानिकों के अनुसार, हमारा मस्तिष्क लगातार बदलता रहता है। अफर्मेशन तकनीक नए तंत्रिका मार्ग बनाने में मदद करती है, जिससे सोचने का तरीका बदलता है।

प्रभावी ढंग से करें अफर्मेशन का उपयोग: अफर्मेशन का प्रभावी उपयोग करने के लिए अपने लक्ष्यों और मूल्यों के अनुसार स्वयं के कथन बनाएं। इन्हें दोहराना अपनी दैनिक आदत बनाएं, जैसे सुबह या रात को सोने से पहले। इन्हें गहराई से अपनाना होगा और रोज महसूस करना होगा। यह मस्तिष्क को शांत, अधिक लचीला और लक्ष्यों के प्रति केंद्रित बनाने का एक सिद्ध और वैज्ञानिक तरीका है।

अपनाएं 10 कारगर अफर्मेशन: कुछ ऐसे सकारात्मक विचार हैं, जो हर महिला के मन में होने चाहिए। ये आपको प्रेरित करेंगे, आत्मविश्वास को भी बढ़ाएंगे।

आत्मसम्मान के लिए: मैं पर्याप्त हूं और मुझे किसी को कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है। मेरे लिए सबसे पहले अपना आत्मसम्मान है।

फोकस के लिए: मेरी ऊर्जा अनमोल है, मैं इसे केवल उन चीजों पर लगाती हूं, जो मुझे आगे बढ़ाती हैं। फालतू की चीजें या सिर्फ दूसरों को खुश करने के लिए मुझे ऊर्जा और सुकून नष्ट नहीं करना चाहिए।

साहस के लिए: मैं अपनी क्षमताओं पर विश्वास करती हूं और हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हूं। खुद मुझे ही आगे बढ़कर अपनी मुसीबतों का सामना करना है।

स्वावलंबन के लिए: मैं अपनी खुशियों की खुद निर्माता हूं। मैं दूसरों पर निर्भर नहीं रहूंगी। आत्मनिर्भरता मेरे लिए आवश्यक है।

कार्यकुशलता के लिए: आज मैं जो भी करूंगी, उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगी और खुद पर गर्व करूंगी। आगे बढ़ना है तो मुझे मेहनत करनी होगी।

विकास के लिए: गलतियां करना सीखने का हिस्सा है। मैं उनसे डरती नहीं, बल्कि आगे बढ़ती हूं। भला किससे गलतियां नहीं होतीं।

सेल्फ-केयर के लिए: मैं अपने शरीर और मन का सम्मान करती हूं और उनकी देखभाल करना मेरी प्राथमिकता है। मेरी खुशी मेरे लिए सर्वोपरि है।

समृद्धि के लिए: मैं सफलता और प्रचुरता के योग्य हूं। जब मेरे भाई-बहन, दोस्त आगे बढ़ सकते हैं तो मैं भी बढ़ सकती हूं।

मानसिक शांति के लिए: मेरा शांत स्वभाव ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। शांत मन ज्यादा शक्तिशाली होता है।

सेल्फ-लव के लिए: मैं जैसी हूं, वैसी ही सुंदर और शक्तिशाली हूं। मुझे दूसरों से सर्टिफिकेट नहीं चाहिए। आप इनमें से अपनी पसंद के अनुसार किसी एक को डेस्क कैलेंडर या स्टिकी नोट पर लिखकर टेबल पर रख सकती हैं।

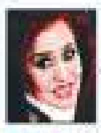

सीजनल केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

ट्रैवलिंग में साथ रखें ये प्रोडक्ट्स

मेंटेन रहेगा ग्लोइंग मेकअप

गर्मी की छुट्टियों में बहुत से लोग अपने परिवार, दोस्तों के संग हिल स्टेशंस या अन्य पर्यटक स्थलों पर घूमने जाते हैं ताकि नेचर का आनंद ले सकें और शहरों की भाग-दौड़ भरी उबाऊ जिंदगी से राहत मिल सके। लेकिन इस मौसम में खुले वातावरण में घूमने से पसीने, टैनिंग, त्वचा में जलन, सनबर्न से ब्यूटी पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। लेकिन अगर आप ट्रैवलिंग के दौरान अपने साथ कुछ जरूरी ब्यूटी प्रोडक्ट्स रखती हैं तो आप इस मौसम में त्वचा को होने वाले नुकसानों से खुद को बचा सकती हैं।

फेस वाइप्स: गर्मी में सबसे ज्यादा परेशानी पसीने से होती है। तेज धूप की वजह से ऑयली स्किन पर गंदगी और तेल जम जाता है। इससे चेहरा डल लगता है और मेकअप भी खराब हो जाता है। इसलिए इस मौसम में जब भी आप घूमने जाएं तो अपने साथ फेस वाइप्स जरूर रखें। फेस वाइप्स से बिना पानी के चेहरे की त्वचा साफ हो जाती है और चेहरे की नसों में ब्लड सर्कुलेशन भी बढ़ता है। गीले फेस वाइप्स को आप अपनी सुविधानुसार उपयोग कर सकती हैं। जब आपके पास पानी और फेस वॉश उपलब्ध नहीं हो तो इसे यूज करें। इससे आपकी स्किन तुरंत साफ और फ्रेश लगेगी।

ड्राई शैंपू: यात्रा के दौरान कई बार बालों को धोने का कम ही समय मिल पाता है। ऐसे में ड्राई शैंपू काफी मददगार हो सकता है। ड्राई शैंपू पानी रहित उत्पाद है, जिसे बालों को साफ करने के लिए आमतौर पर स्प्रे या पावडर के रूप में उपयोग किया जाता है। इसे सिर की त्वचा पर लगाया जाता है और यह बालों से तेल या सीबम को सोख लेता है, जिससे बाल साफ और तरोताजा दिखते हैं। यदि आपकी स्कैल्प सेंसिटिव है तो अल्कोहलबेस्ड या सुगंधित ड्राई शैंपू से बचें।

वाटर प्रूफ काजल: अधिकतर महिलाएं अपनी सुंदरता को निखारने के आंखों पर काजल लगाना खूब पसंद करती हैं। लेकिन गर्मी के मौसम में पसीने से काजल फैलने की समस्या हो सकती है। इस समस्या से बचने के लिए वाटर प्रूफ काजल आपकी मदद कर सकता है। वाटर प्रूफ काजल आंखों पर लंबे समय तक मेंटेन रहता है। इन्हें लगाने से आंखों को परेशानी नहीं होती है और सेंसिटिव आंखों वाली महिलाओं के लिए भी उपयुक्त होता है। जैल आधारित काजल 12 घंटों तक टिका रहता है, जिसे आप ब्रश की मदद से लगा सकती हैं।

ग्लिटर: ग्लिटर नाखूनों को एक नया लुक देता है, जिससे साधारण मेनीक्योर भी खास दिखने लगता है। ग्लिटर मेनीक्योर अनेक प्रकार के कस्टमाइजेशन का अवसर प्रदान करता है और विभिन्न रंगों और फिनिश के साथ आपके सौंदर्य को निखारता है।

डाइट एडवाइस

विधि

आमतौर पर महिलाएं वर्क प्रेशर की वजह से ब्रेकफास्ट में कुछ भी खा लेती हैं या स्किप कर देती हैं। आपको हेल्दी और एक्टिव रहने के लिए अपने ब्रेकफास्ट में ऐसे फूड्स शामिल करने चाहिए, जिससे आपको एनर्जी मिल सके।

जब डेली करेंगी न्यूट्रिशस ब्रेकफास्ट

आप रहेंगी हेल्दी-एनर्जेटिक

डॉक्टर्स कहते हैं कि दिन की शुरुआत हैवी ब्रेकफास्ट से होनी चाहिए। इससे पूरे दिन एनर्जी बनी रहती है लेकिन बहुत सी महिलाएं, सुबह की भाग-दौड़ और काम में ब्रेकफास्ट पर ध्यान नहीं देती हैं या बिना ब्रेकफास्ट किए ही रह जाती हैं। डेली न्यूट्रिशस ब्रेकफास्ट नहीं करने से सारा दिन सुस्ती और आलस महसूस होता है। वीकनेस आने लगती है। नाश्ते में ऐसी चीजें खानी चाहिए, जो हेल्दी हों। क्योंकि सही ब्रेकफास्ट दिन भर एनर्जेटिक और एक्टिव बनाए रखता है। ब्रेकफास्ट हेल्दी होने से कई सारी बीमारियां भी शरीर से दूर रहती हैं, साथ ही मेंटल हेल्थ भी बेहतर रहती है और इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है।

क्या खाएं: सुबह के नाश्ते में जितना हो सके हेल्दी और पौष्टिक चीजें शामिल करनी चाहिए। प्रोटीन, फाइबर, हेल्दी फैट से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए। इसके लिए ताजे फल, स्प्राउट्स, ओट्स, अंडा, दलिया, सूजी, मूंग दाल चीला, ड्राई फ्रूट्स, दूध को ब्रेकफास्ट में शामिल करना चाहिए। सुबह के ब्रेकफास्ट में परांठे की जगह उपमा, नमकीन दलिया, घी लगी रोटी शामिल करना फायदेमंद होता है। प्रोटीन से भरपूर नाश्ता आपके शरीर को दिनभर की ऊर्जा देने में मदद करता है। प्रोटीन-रिच नाश्ते में उबले हुए अंडे, पनीर, दही, दलिया या ओटमील, मूंग दाल का चीला खा सकती हैं। फाइबर पाचन को सही बनाए रखने में मदद करता है। यह दिल के लिए भी अच्छा होता है। फाइबर से भरपूर ब्रेकफास्ट के लिए फलों का सलाद, साबुत अनाज की ब्रेड या परांठे, आलू या शकरकंदी की चाट खा सकती हैं। हेल्दी फैट से शरीर को एनर्जी मिलती है। यह शरीर के लिए जरूरी हार्मोन के प्रोडक्शन में भी मददगार है। इसके लिए एवोकाडो, नट्स, मूंगफली का मक्खन, अलसी का तेल ब्रेकफास्ट में शामिल कर सकती हैं। फ्रेश फल और सब्जियां न सिर्फ शरीर को हाइड्रेट करते हैं, बल्कि ये जरूरी विटामिन और मिनरल्स से भी भरपूर होती हैं। ये इम्यूनिटी को बढ़ाने में मददगार हैं। शरीर को पूरे दिन हाइड्रेटेड रखने के लिए पानी के अलावा, ब्रेकफास्ट में नींबू पानी, नारियल पानी, ग्रीन टी लेना भी अच्छा होता है। मीठे के लिए ब्रेकफास्ट में शहद, मेपल सिरप या गुड़ का इस्तेमाल कर सकती हैं। एक छोटे से फल जैसे कि आम, पपीता या सेब को भी मिठास के लिए शामिल कर सकती हैं। नाश्ते में स्मूदी केला और दूध एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। बिना अतिरिक्त मात्रा में नमक या चीनी की दही का ऑप्शन भी सेहतमंद होता है।

क्या न खाएं: ब्रेकफास्ट में कुछ फूड आइटम्स को नहीं खाना चाहिए।

वाइट ब्रेड: सफेद ब्रेड को लो क्वालिटी के कार्ब्स के साथ प्रोसेस किया जाता है, जिससे मोटापा, ब्लड शुगर बढ़ने और हार्ट डिजीज का खतरा भी पैदा होता है।

समोसा-पकौड़े: तली हुई चीजें खाने से सीने में जलन, पेट में भारीपन और शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है।

मीठा दही: इससे शरीर में शुगर की मात्रा बढ़ सकती है।

इंस्टेंट नूडल्स: इनमें बहुत ज्यादा नमक, प्रिजरवेटिव्स और अनहेल्दी फैट्स होते हैं, इसलिए ये सुबह के खाने के लिए बिल्कुल हेल्दी नहीं होते हैं।

(डायटिशियन शीला सहरावत से बातचीत पर आधारित)

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड झांसी के 7 स्टूडेंट्स ने जेईई एडवांस्ड 2026 के लिए क्वालिफ़ाई किया

(यंग भारत न्यूज)

झांसी, 2 जून, 2026: आकाश एजुकेशनल सर्विसेज़ लिमिटेड (एईएसएल), भारत का लीडिंग टेस्ट प्रिपरेशन इंस्टीट्यूट, देश के सबसे कॉम्पिटिटिव इंजीनियरिंग एंट्रेंस एग्जाम में से एक, जेईई एडवांस्ड 2026 में झांसी के अपने स्टूडेंट्स के शानदार परफॉर्मेंस की घोषणा गर्व से करता है। रिजल्ट आज घोषित किए गए। सेंटर के कुल 7 स्टूडेंट्स ने जेईई एडवांस्ड 2026 को सफलतापूर्वक क्वालिफाई किया है, जो उनकी कड़ी मेहनत, लगन और एकेडमिक एक्सीलेंस के प्रति कमिटमेंट को दिखाता है। यह अचीवमेंट एईएसएल के स्ट्रक्चर्ड लर्निंग इकोसिस्टम, एक्सपीरियंस्ड फैकल्टी और एग्जाम प्रिपरेशन के लिए स्टूडेंट-सेंट्रिक अप्रोच के असर को भी दिखाता है।

अपनी खुशी ज़ाहिर करते हुए, स्टूडेंट्स ने कहा, 'हम अपनी तैयारी के पूरे सफ़र में लगातार गाइडेंस, एकेडमिक सपोर्ट और मेंटरशिप के लिए आकाश के शुक्रगुजार हैं। स्टडी मटीरियल, क्लासरूम सेशन, मॉक टेस्ट और रेगुलर असेसमेंट ने हमारे कॉन्सेप्ट को मज़बूत करने और हमारी परफॉर्मेंस को बेहतर बनाने में हमारी मदद की। यह कामयाबी हमारे टीचर्स और पेरेंट्स के सपोर्ट के बिना मुमकिन नहीं होती। स्टूडेंट्स को उनकी शानदार कामयाबी पर बधाई देते हुए, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज़ लिमिटेड (एईएसएल) के रीजनल डायरेक्टर, मिस्टर डीके मिश्रा ने कहा, 'हमें जेईई एडवांस्ड 2026 में उनके शानदार परफॉर्मेंस के लिए अपने स्टूडेंट्स पर बहुत गर्व है। उनकी कामयाबी पक्की लगन, डिसिप्लिन्ड तैयारी और आगे बढ़ने की पक्की इच्छा का नतीजा है। एईएसएल में, हम टैलेंट को निखारने और स्टूडेंट्स को उनकी एकेडमिक उम्मीदों को पूरा करने में मदद करने के लिए कमिटेड हैं। हम सभी सफल कैंडिडेट्स को उनकी एजुकेशनल जर्नी के अगले चैप्टर के लिए शुभकामनाएं देते हैं। सेंटर के टॉप परफॉर्मर्स में, आरव वर्मा ने 236 मार्क्स के साथ ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 441 हासिल की, जबकि प्रखर सिंह ने 223 मार्क्स के साथ एआईआर 670 हासिल की। दूसरे जाने-माने अचीवर्स में पीयूष अग्रवाल (एआईआर 6771), अभिनव सूर्यवंशी (एआईआर 6856), और येल्वे रुशिकेश विष्णु (एआईआर 7886) शामिल हैं।

स्टूडेंट्स को एईएसएल के क्लासरूम प्रोग्राम में एनरोल किया गया था, जो जेईई एडवांस्ड जैसे बहुत ज़्यादा कॉम्पिटिटिव एग्जाम में अच्छा करने के लिए ज़रूरी कॉन्सेप्चुअल क्लैरिटी, एनालिटिकल थिंकिंग और प्रॉब्लम-सॉल्विंग स्किल्स बनाने पर फोकस करता है। जेईई एडवांस्ड, जाने-माने इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) में एडमिशन का गेटवे है और इसे दुनिया के सबसे मुश्किल इंजीनियरिंग एंट्रेंस एग्जाम में से एक माना जाता है। जेईई मेन क्वालिफाई करने के बाद कैंडिडेट जेईई एडवांस्ड के लिए एलिजिबल हो जाते हैं और देश भर के आईआईटीह्य और दूसरे बड़े इंजीनियरिंग इंस्टिट्यूशन में एडमिशन के लिए मुकाबला करते हैं।

नगर के उज्ज्वल द्विवेदी ने जे ई एडवांस आई आई टी में किया जिला टॉप

-क्षेत्र में हर्ष की लहर

(यंग भारत न्यूज)

गुरसरांय। नगर के टीचर्स कॉलोनी निवासी उज्ज्वल द्विवेदी ने आई आई टी (जे ई एडवांस)परीक्षा में 1390 रैंक प्राप्त कर जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त कर जनपद एवं नगर का नाम रोशन किया। मूल रूप से ग्राम डोंडिया निवासी एवं खेर इंटर कॉलेज गुरसरांय में कृषि के अध्यापक इंद्रभूषण द्विवेदी के पुत्र उज्जवल द्विवेदी ने 2024 में सी बी एस ई बोर्ड से 96,8 प्रतिशत अंक प्राप्त किये थे तथा 2026 में इंटर मीडिएट में 94,6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उरई के श्री राम पब्लिक इंटर कॉलेज से उत्तीर्ण कर जनपद में प्रथम साथ प्राप्त किया था।

इसके बाद ग्वालियर के एलन कोचिंग में तैयारी की, और जे ई मेंस परीक्षा प्रथम में 99,67 प्रतिशत, जे ई मेंस द्वितीय परीक्षा में 99,97 प्रतिशत एवं जे ई एडवांस में 1390 रैंक प्राप्त कर जनपद झांसी में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उज्ज्वल द्विवेदी में बताया कि यह उनके पिता इंद्रभूषण द्विवेदी एवं माता जी श्रीमती रेखा के त्याग तपस्या का परिणाम तथा गुरुजनों की कृपा का प्रतिफल है। उनके इतनी बड़ी सफलता से क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। उनकी सफलता पर खेर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य धनप्रकाश तिवारी, अध्यक्ष देवेश पालीवाल, प्रबंधक मनोहर राव नेवालकर, कैलाश प्रकाश गुप्ता, सरजू शरण पाठक, सुनील व्यास, वरिष्ठ पत्रकार डॉ सुकदेव व्यास, अरुण चतुर्वेदी, राजीव अरजरिया, अखिलेश तिवारी आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

पुण्यश्लोका अहिल्याबाई होलकर जयंती का आयोजन सम्पन्न

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी । आज सामाजिक समरसता मंच, झाँसी महानगर के तत्वाधान में अहिल्याबाई होलकर तिराहे (जीवनशाह तिराहे पर अहिल्याबाई होलकर की 301वीं जयंती का आयोजन प्रातः 8 बजे किया गया। इस अवसर पर मंच के प्रांतीय संयोजक रवि शंकर गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा शिवकुमार भार्गव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारम्भ में सभी उपस्थित अतिथियों, मंच के पदाधिकारियों व अन्य आमंत्रित जनों ने अहिल्याबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया ।

इस अवसर पर प्रांत संयोजक ने अपने उद्बोधन में कहा कि अहिल्याबाई होल्कर का जीवन भारतीय इतिहास का स्वर्णिम पृष्ठ है। उन्होने एक साधारण ग्रामीण परिवार में जन्म लेकर अपनी जीवन यात्रा प्रारम्भ की और अपने कृतित्व एक असाधारण शासनकर्ता व कुशल प्रशासक बनी। उनका तीस वर्ष का शासन काल होल्कर वंश के इतिहास का उत्कृष्ट काल रहा है। किसी ने भी उनके नीति, नियम व निर्णय पर उंगली नहीं उठाई। उनका लोक कल्याणकारी शासन भूमिहीन किसानों, भीलों जैसे जनजातीय समूहों तथा विधवाओं के हितों की रक्षा करने वाला एक आदर्श शासन था । समाज के सभी वर्गों का सम्मान, सुरक्षा, प्रगति के अवसर देने वाली समरसता की दृष्टि उनके प्रशासन का आधार रही । लोकमाता का सम्पूर्ण जीवन सादगी सम्पन्न, उज्ज्वल चरित्र, धर्म पारायण, प्रजावत्सलता का अप्रतिम उदाहरण था। वे थीं तो मालवा राज्य की साम्राज्ञी लेकिन उनकी दृष्टि अखिल भारतीय थी इसलिए उन्होने अपने व्यक्तिगत कोष से अधिकांश ज्योतिर्लिंगों, तीर्थ स्थलों, नदियों पर घाटों, धर्मशालाओं, अन्नक्षेत्रों, तालाबों का निर्माण सम्पूर्ण भारतवर्ष में कराया था। अहिल्याबाई के इन्हीं जन हितेशी, धर्मोन्नयन के कार्यों के कारण उन्हें पुण्यश्लोका व लोकमाता कहा जाता है। उनके दिखाये, सादगी, चरित्र्य सम्पन्न जीवन व आध्यात्मिक आदर्शों से हम सभी प्रेरणा ले सकते हैं। मुख्य अतिथि शिव कुमार भार्गव ने उपस्थित लोगों से अपेक्षा व्यक्त की वे लोकमाता के जीवन से प्रेरणा प्राप्त कर वैभव सम्पन्न राष्ट्र बनाने में अपना योगदान देंगे। इस अवसर पर सामाजिक समरसता मंच के विभाग संयोजक सीताशरण तिवारी, झाँसी ग्रामीण के संयोजक मुन्ना लाल विश्वकर्मा, सेवाभारती के प्रांतीय सदस्य मनोज आदि गणमान्य सज्जन उपस्थित थे । कार्यक्रम के अंत में सामाजिक समरसता मंच के महानगर संयोजक विपिन गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया ।

बांदा में योगी सरकार की नीतियों से बढ़ा धान का रकबा, अब दलहन-तिलहन पर विशेष जोर

- सिंचाई, एमएसपी और बीज की सुविधाएं मिलने से हर साल बढ़ रहा धान की बुवाई का दायरा
- योगी सरकार ने किसानों के लिए बढ़ाई सुविधाएं तो धान की पैदावार में होने लगी साल दर साल बढ़ोतरी

(यंग भारत न्यूज)

बांदा: 2जून- उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा बुंदेलखंड क्षेत्र के किसानों को दी जा रही आधुनिक सुविधाओं के कारण बांदा जिले में कृषि के क्षेत्र में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। सरकार द्वारा सिंचाई, न्यूनतम समर्थन मूल्य और उन्नत बीजों की समय पर उपलब्धता कराने से जिले में हर साल धान की बुवाई का दायरा (रकबा) बढ़ रहा है। खरीफ सीजन में बांदा के किसान तय लक्ष्य से अधिक जमीन पर धान की बुवाई कर रहे हैं। जिससे पैदावार में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है और स्थिति यह है कि अब सरकार ने यहां पर धान की बढ़ रही लगातार पैदावार को देखते हुए यहां के धान की पैदावार के लक्ष्य को कम किया है और दलहन और तिलहन की फसलों का लक्ष्य बढ़ाने का फैलसा लिया है।

पलायन रुका, नौकरी छोड़ खेती की तरफ लौट रहे युवा

पर्यावरणविद् और पद्मश्री उमाशंकर पांडेय ने इस सकारात्मक बदलाव पर खुशी जाहिर की है। इन्होंने बताया कि सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और सिंचाई संसाधनों में लगातार विस्तार किया जा रहा है जिसके कारण बांदा का किसान अब 'पानीदार' हो रहा है। इन्होंने कहा कि इसका सबसे बड़ा सामाजिक असर यह हुआ है कि क्षेत्र से होने वाला पलायन अब रुक गया है और शहर गए पढ़े-लिखे युवा अब अपनी नौकरियां छोड़कर गांवों की तरफ लौट रहे हैं और आधुनिक खेती अपनाकर शानदार मुनाफा कमा रहे हैं।

धान की जगह अब दलहन-तिलहन को बढ़ावा देगी सरकार

कृषि विभाग के आंकड़ों और जमीनी हकीकत को देखते हुए सरकार अब नई रणनीति पर काम कर रही है। बांदा के उप कृषि निदेशक डॉ. अभय कुमार यादव ने बताया कि हमारे जिले में पर्याप्त सिंचाई संसाधनों के चलते धान की पैदावार तो लगातार बढ़ रही है, लेकिन इसके कारण स्थानीय किसान दलहन और तिलहन की फसलों से दूरी बना रहे हैं। जिसके चलते इस असंतुलन को ठीक करने के लिए योगी सरकार ने अब धान के निर्धारित लक्ष्य (टारगेट) को कम करने का फैसला किया है। इन्होंने बताया कि सरकार का पूरा ध्यान अब किसानों को दलहन और तिलहन की खेती के लिए प्रेरित करने और उन्हें इसके लिए विशेष सुविधाएं व लक्ष्य देने पर केंद्रित है, ताकि बुंदेलखंड की कृषि को और अधिक विविधीकृत और टिकाऊ बनाया जा सके।

भगवान राम के चरित्रों को जीवन में उतारें-राम जी परिहार

(यंग भारत न्यूज)

गुरसरांय। ग्राम खड़ौरा में झुवार के हनुमानजी मंदिर पर श्री ठड़ेशी महाराज आदर्श कला मंच रमपुरा द्वारा राम लीला का उद्घाटन मुख्य अतिथि भाजपा नेता कुंवर प्रतिपाल सिंह रामजी परिहार ने फीता काटकर किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संगीतगुरु पं परशुराम पाठक ने की। आरती करने के बाद बोलते हुए राम जी परिहार ने कहा कि यह गांव संगीत साधना की भूमि रहा है।धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजनों से आपसी प्रेम सौहार्द बढ़ता है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम ने जो आदर्श चरित्र स्थापित किये उन्हें जीवन मे अवश्य उतारें यही धार्मिक कार्यक्रम संदेश देता है। कार्यक्रम का संचालन सुमित पाठक ने किया। अतिथियों का स्वागत कमेटी के गनेश तिवारी, कुंजबिहारी तिवारी, दिनेश दाऊ, भज्जू मिश्रा आदि ने माल्यार्पण किया। मंडल अध्यक्ष भानु कुशवाहा के निर्देशन में कलाकारों ने प्रथम दिन भगवान श्री राम के जन्म का मंचन किया। राम लीला में राम के अभिनय में अरुण कुमार द्विवेदी जालौन, लक्ष्मण पंकज द्विवेदी हमीरपुर, दशरथ हरी शंकर गढ़बई, ऑल राउंडर कलाकार आशीष राजपूत बाबई, हास्य कलाकार आर डी मिलन कोंच, का शानदार अभिनय रहा।वहीं रेनुका रानी ग्वालियर एवं मुस्कान रानी उरई के नृत्य ने समा बांधा।रामलीला के कथा व्यास अशोक सरल बकुआँ की सुरीली रामायण प्रस्तुति के साथ ढोलक पर पवन सेरसा एवं पैड पर ब्रजेश कुमार खड़ौरा ने संगत की। इस मौके पर ग्राम प्रधान मनोज यादव, पूर्व प्रधान राम सुमिरन मिश्रा, राम प्रिया शरण मिश्रा राजू मुखिया, सितार वादक पं सरजू शरण पाठक, ओमनारायण मिश्रा, राजू नायक, राहुल नायक, रामेश्वर मिश्रा, बीरेन्द्र तिवारी, मनमोहन शर्मा सहित क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों को सम्मानपूर्वक दी गई विदाई एवं शुभकामनाएँ

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। रविवार को पुलिस लाइन सभागार, झाँसी में अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो रहे पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक ग्रामीण झाँसी डॉ0 श्री अरविन्द कुमार द्वारा सेवानिवृत्त अधिकारी/कर्मचारियों को उनके दीर्घ, समर्पित एवं सराहनीय सेवाकाल हेतु सम्मानित करते हुए भावी जीवन के लिए शुभकामनाएँ प्रदान की गईं। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा के दौरान प्राप्त अनुभव, अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा समाज एवं विभाग के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगी। सेवानिवृत्ति सेवा का अंत नहीं, बल्कि जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत है। इस अवसर पर सेवानिवृत्त अधिकारी/कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुखद, समृद्ध एवं मंगलमय जीवन की कामना की तथा उनके द्वारा विभाग को प्रदान की गई उत्कृष्ट सेवाओं की सराहना की।

आज सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी/कर्मचारीगण का विवरण निम्नवत् है-

1-उ0नि0 कृष्णमुरारी

2-फायरमैन राजेन्द्र सिंह सेंगर

कार्यक्रम में पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे तथा सभी ने सेवानिवृत्त कार्मिकों को भावभीनी विदाई दी।

कबड्डी समर कैंप सीजन-7 का हुआ शुभारंभ, 81बालक-बालिकाएं ले रहे हैं प्रशिक्षण

(यंग भारत न्यूज)

बांदा, 1 जून 2026 से उत्तर प्रदेश कबड्डी एसोसिएशन से संबद्ध जिला कबड्डी एसोसिएशन बांदा द्वारा आयोजित 15 दिवसीय कबड्डी समर कैंप सीजन-7 का जिला कबड्डी एसोसिएशन बांदा के कोषाध्यक्ष सुनील सक्सेना, कब्बडी कोच/सचिव कमल सिंह यादव एवं भूत पूर्व सैनिक द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। 1 जून से 15 जून तक चलने वाले इस प्रशिक्षण शिविर में कुल 81 बालक एवं बालिकाएं प्रतिभाग कर रहे हैं, जो अब तक के सभी समर कैंपों में सर्वाधिक संख्या है।

इस शिविर में 7 वर्ष आयु वर्ग से लेकर सब-जूनियर नेशनल एवं सीनियर नेशनल स्तर के खिलाड़ी भी शामिल हैं। उद्घाटन अवसर पर खिलाड़ियों ने क्रॉस कंट्री रोड रनिंग में भाग लिया दौड़ का मार्ग जे.एन. कॉलेज से प्रारंभ होकर बिजली खेड़ा, कालूकुआं, बाबूलाल चौराहा, खूंटी चौराहा, अतर्रा चुंगी, नरैनी रोड, मेडिकल कॉलेज तक रहा तथा वापसी में इसी मार्ग से होते हुए जे.एन. कॉलेज कबड्डी ग्राउंड पर समाप्त हुआ। क्रॉस कॉन्ट्री के उपरांत सभी खिलाड़ियों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया गया, जिसमें काजू, किशमिश, बादाम, मखाना, पिस्ता युक्त दूध, दलिया, ब्रेड-मक्खन, केले, चना, सोयाबीन, मूंगफली, मूंग एवं सलाद शामिल रहे। जिला कबड्डी एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि 15 दिनों तक चलने वाले इस शिविर में खिलाड़ियों को कबड्डी की तकनीकी बारीकियों के साथ-साथ अन्य खेल गतिविधियों एवं मनोरंजक कार्यक्रमों से भी जोड़ा जाएगा। ये कैंप बांदा सहित महोबा एवं चित्रकूट जनपद में भी किए जायेंगे।समर कैंप अपने सातवें सीजन में पहुंच चुका है और यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके लगभग एक दर्जन खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग कर चुके हैं। खिलाड़ियों के लिए यह शिविर विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यहां उन्हें पूरे वर्ष उपयोगी नई तकनीकों एवं खेल कौशल को सीखने का अवसर प्राप्त होता है। इस कारण बच्चों को हर वर्ष इस समर कैंप का बेसब्री से इंतजार रहता है। उद्घाटन समारोह में जिला कबड्डी एसोसिएशन बांदा के कोषाध्यक्ष सुनील सक्सेना, सचिव कमल सिंह यादव सहित अनेक खेल प्रेमी एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718